

राष्ट्रीय दैनिक

स्वदेश प्रेम

रिद्धि डोगरा ने
लोकल ट्रेनों में....

06

राष्ट्रीय राजधनी दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष-01

अंक-27

नई दिल्ली बुधवार, 15 जुलाई 2026

R.N.I NO : DELHIN/2022/86452

पृष्ठ- 8

मूल्य-01 रुपये

होर्मुज संकट गहराया

भारतीय नाविक की मौत पर ईरान को भारत की फटकार

व्यापारी जहाजों पर हमले को लेकर ईरानी उप राजदूत तलब

अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी की तैयारी तेज की

नई दिल्ली/तेहरान/वाशिंगटन (एजेंसी)। होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते सैन्य तनाव के बीच भारत ने भारतीय नाविक की मौत के मामले में ईरान के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास के उप राजदूत (डिप्टी चीफ ऑफ मिशन) को तलब कर व्यापारी जहाजों पर हुए हमलों को लेकर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। भारत ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर जहाजों और नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सभी देशों की जिम्मेदारी है और ऐसे हमलों को तत्काल रोका जाना चाहिए।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत पश्चिम एशिया में तेजी से बढ़ते रहे हालात पर लगातार नजर बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि भारत होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते सुरक्षित और निर्बाध समुद्री आवाजाही तथा वैश्विक व्यापार जारी रखने की अपील करता रहा है। यह पूरी दुनिया की आर्थिक और ऊर्जा सुरक्षा के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अनुसार, होर्मुज जलडमरूमध्य में ओमान के समुद्री क्षेत्र से गुजर रहे दो तेल टैंकरों पर ईरानी मिसाइलों से हमला किया गया। इस हमले में एक भारतीय नाविक की मौत हो गई, जबकि कई अन्य भारतीय और विदेशी चालक दल के सदस्य घायल हुए हैं।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, हमले का शिकार हुए दो जहाजों में कुल 30 भारतीय



नाविक सवार थे। एक जहाज पर 12 लोग थे, जिसमें एक भारतीय नाविक की मौत हुई। दूसरे जहाज पर 18 भारतीय नाविक सवार थे, जिनमें से नौ घायल हुए हैं। इनमें दो की हालत गंभीर बताई गई है।

मंत्रालय ने कहा कि वाणिज्यिक जहाजों पर हुए हमलों में सभी देशों के नागरिकों की तुलना में भारतीय नाविकों ने सबसे अधिक नुकसान झेला है। हालांकि, मंत्रालय ने अभी कुल आंकड़े साझा नहीं किए हैं। सूत्रों के अनुसार, 28 फरवरी 2026 से खाड़ी क्षेत्र में मारे गए

अमेरिका ने
सैन्य अभियान
तेज किया

भारतीयों की संख्या 13 तक पहुंच गई है, जबकि तीन भारतीय अब भी लापता बताए जा रहे हैं।

होर्मुज जलडमरूमध्य क्यों है अहम

होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापारिक मार्गों में शामिल है। दुनिया के बड़े हिस्से में कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति इसी मार्ग से होती है। यहां बढ़ते सैन्य तनाव से वैश्विक तेल बाजार, अंतरराष्ट्रीय शिपिंग और ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। कई देशों ने हालात को और बिगड़ने से रोकने के लिए संयम बरतने और बातचीत के जरिए समाधान निकालने की अपील की है। भारत ने भी सभी पक्षों से तनाव कम करने और क्षेत्र में शांति व स्थिरता बनाए रखने का आग्रह किया है।

उधर, अमेरिका और ईरान के बीच तनाव और बढ़ गया है। अमेरिकी मध्य कमान (सेंटकॉम) ने दावा किया है कि ईरान में सैन्य कार्रवाई का तीसरा चरण पूरा कर लिया गया है। अमेरिकी हमलों में तटीय रक्षा प्रणालियों, मिसाइल और ड्रोन ठिकानों को निशाना बनाए जाने की बात कही गई है। ईरानी मीडिया के अनुसार, बंदर अम्वास, किश, केशम और अबू मुसा द्वीप समेत कई इलाकों में विस्फोट हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ युद्धविरोध समाप्त हो चुका है और सैन्य अभियान फिर शुरू हो गया है। अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों की नौसैनिक नाकाबंदी दोबारा लागू करने की घोषणा भी की है। ट्रंप ने दावा किया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिका का नियंत्रण है और समुद्री सुरक्षा बनाए रखने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

खाड़ी हमलों पर सबसे अधिक भारतीय नाविकों की हुई मौत : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारत ने ईरानी पक्ष के सामने इस घटना को लेकर अपनी गहरी चिंता जाहिर की है और इसकी कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि इस हमले में भारत ने एक नागरिक को खो दिया है, जबकि कई भारतीय नागरिक घायल हुए हैं। इनमें कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है। उन्होंने कहा कि भारत ने इस मामले में ईरान के समक्ष अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया है और स्पष्ट किया है कि इस तरह के हमले जल्द से जल्द बंद होने चाहिए। भारत ने सभी पक्षों से तनाव कम करने और बातचीत व कूटनीति के माध्यम से समाधान निकालने की अपील की है, ताकि पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता कायम रह सके।



ईरान ने जवाबी कार्रवाई का दावा किया

दूसरी ओर, ईरान ने अमेरिकी सैन्य कार्रवाई का जवाब देने का दावा किया है। ईरानी पक्ष ने क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और जहाजों को निशाना बनाने की बात कही है। इससे क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है।

राम मंदिर में लागू हुई नई व्यवस्था

अब हर दिन होगा दान का ऑडिट
डॉ. कृष्ण मोहन को सौंपी गई खातों की जिम्मेदारी

अयोध्या, (एजेंसी)। रामनगरी अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने वित्तीय प्रबंधन को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में अहम कदम उठाया है। नई व्यवस्था के तहत ट्रस्ट में दैनिक ऑडिट (डेली ऑडिट) प्रणाली लागू कर दी गई है। अब मंदिर की आय और व्यय का प्रतिदिन मिलान कर उसी दिन उसका सत्यापन और लेखा-जोखा तैयार किया जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, अंतरिम महासचिव डॉ. कृष्ण मोहन को ट्रस्ट के खातों की जिम्मेदारी सौंप जाने के बाद चंदन राय और जगदीश आफले ने सहायोगी के रूप में अकाउंट सिस्टम का संचालन संभाल लिया है। दोनों अधिकारियों ने नई व्यवस्था के तहत कार्य शुरू कर दिया है।

नई प्रणाली के अंतर्गत दान, प्रसाद, विभिन्न काउंटरों से होने वाली आय सहित सभी वित्तीय मदों का दैनिक रिकॉर्ड तैयार किया जा रहा है। साथ ही आय-व्यय का मिलान कर संबंधित अभिलेख सुरक्षित रखे जा रहे हैं, ताकि



प्रत्येक वित्तीय लेन-देन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके।

सूत्रों का कहना है कि ट्रस्ट का उद्देश्य वित्तीय प्रबंधन को पूरी तरह आधुनिक, सुव्यवस्थित और पारदर्शी बनाना है। इसी उद्देश्य से अकाउंट सिस्टम में कई नई प्रक्रियाएं लागू की गई हैं। चंदन राय और जगदीश आफले, डॉ. कृष्ण मोहन के साथ समन्वय स्थापित कर इस व्यवस्था का संचालन कर रहे हैं।

ट्रस्ट से जुड़े लोगों का मानना है कि दैनिक ऑडिट व्यवस्था लागू होने से वित्तीय अनुशासन और निगरानी पहले की तुलना में अधिक मजबूत होगी। साथ ही प्रत्येक लेन-देन का तत्काल सत्यापन संभव होने से वित्तीय प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और विश्वसनीयता और बढ़ेगी।

युवक ने खुद को लगाई आग, तीन पुलिसकर्मी झुलसे

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर के महाराजपुर थाने के बाहर मंगलवार को एक युवक ने खुद पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली। उसे बचाने के दौरान थाना प्रभारी समेत तीन पुलिसकर्मी भी झुलस गए। सभी घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस के मुताबिक, महाराजपुर थाना क्षेत्र के राजशेखर फुफुवार निवासी महेश पत्नी से विवाद के मामले में थाने पहुंच था। बातचीत के दौरान उसने खुद को आग लगा ली। मौके पर मौजूद थाना प्रभारी जनार्दन सिंह, उपनिरीक्षक गौरव सीलिया और आरक्षी अरुण कुमार ने कबल डालकर उसकी जान बचाई, लेकिन इस दौरान तीनों झुलस गए। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि महेश की पत्नी ने एक दिन पहले उसके खिलाफ मारपीट और धमकी देने का मुकदमा दर्ज कराया था।

पहलगाम हमला: हाफिज
सईद के खिलाफ
गैर-जमानती वारंट जारी

जम्मू (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले की जांच कर रही राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को बड़ी सफलता मिली है। जम्मू स्थित एनआईए की विशेष अदालत ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख हाफिज सईद के खिलाफ गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी किया है।

एनआईए ने दो दिन पहले इस मामले में पूरक आरोपपत्र दाखिल किया था। इसके आधार पर विशेष अदालत ने सईद के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी करते हुए उसकी गिरफ्तारी की प्रक्रिया आगे बढ़ाने का आदेश दिया। एनआईए के पूरक आरोपपत्र में 76 वर्षीय हाफिज सईद पर व्यक्तिगत रूप से और लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) तथा उसके सहयोगी संगठन द रोजिस्टर्स फ्रंट (टीआरएफ) के प्रमुख के रूप में आरोप लगाए गए हैं। उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूपीए) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज है।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग के लिए रेकी
करने के आरोप में टीचर गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने लॉरेंस बिश्नोई-हरि बॉक्सर गैंग से जुड़े रंगवारी मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस का आरोप है कि आरोपी गैंग के लिए पीड़ित की रेकी कर उसकी जानकारी साझा करता था। गिरफ्तार आरोपी यूपीएससी और एसएससी अभ्यर्थियों को गणित पढ़ाता था।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी की पहचान अमित बिश्नोई उर्फ रुद्र प्रताप सिंह (35) के रूप में हुई है। वह हरियाणा के हिसार का रहने वाला है और दिल्ली के शालीमार बाग इलाके में रह रहा था। वह मुखर्जी नगर स्थित कोचिंग संस्थानों में गणित शिक्षक के तौर पर काम करता था।

इस मामले में मुखर्जी नगर थाने में 8 जुलाई को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया था। जांच स्पेशल सेल को नॉर्दन रेंज टीम भी कर रही थी।

पुलिस के अनुसार, 15 जून को मुखर्जी नगर के एक कारोबारी को विदेशी नंबर से व्हाट्सएप कॉल आई थी। कॉल करने वाले ने खुद को हरि बॉक्सर बताते हुए कथित तौर पर 10 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी थी। रकम नहीं देने पर कारोबारी और उसके परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी गई थी।

अमित शाह से मिले सीएम योगी



नई दिल्ली, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। यह बैठक अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी विवाद के बीच हुई है, जिस पर विपक्ष सरकार को घेर रहा है। मुख्यमंत्री के दिल्ली दौर को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चाएं तेज हैं।

बताया जा रहा है कि उनकी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गडकरी से भी मुलाकात हो सकती है। हालांकि, बैठकों के एजेंडे को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। माना जा रहा है कि संगठन, प्रदेश के मुद्दों और आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों पर चर्चा हो सकती है।

ई-20 : स्वच्छ ईंधन की दौड़ में भारत नहीं अकेला
कई देश अपना चुके हैं एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण (ई20) को लेकर चर्चा और बहस के बीच वैश्विक तस्वीर बताती है कि भारत इस दिशा में अकेला नहीं है। दुनिया के कई विकसित और विकासशील देश पहले से ही पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण का इस्तेमाल कर रहे हैं। कुछ देशों ने तो ई30, ई85 और यहां तक कि ई100 तक का लक्ष्य तय कर लिया है।

रिपोर्टों के अनुसार, एथेनॉल मिश्रण का उद्देश्य कच्चे तेल पर निर्भरता कम करना, कार्बन उत्सर्जन घटाना और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत बनाना है। भारत फिलहाल ई20 तक पहुंच चुका है और वर्ष 2030 तक ई30 लागू करने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है।

ब्राजील एथेनॉल मिश्रण के मामले में दुनिया में सबसे आगे है, जहां ई30



के साथ ई100 ईंधन का भी उपयोग होता है। अमेरिका में ई10 और ई15, जबकि यूरोप के कई देशों में ई10 लागू है। जापान ने 2030 तक ई10 और 2040 तक ई20 का लक्ष्य रखा है।

एशिया में थाईलैंड, नेपाल, वियतनाम, फिलीपींस और इंडोनेशिया भी अलग-अलग स्तर पर एथेनॉल मिश्रण का उपयोग कर रहे हैं। वहीं कनाडा, अर्जेंटीना, कोलंबिया, उरुग्वे, दक्षिण अफ्रीका और नाइजीरिया समेत

जापान के अत्याधुनिक स्टील्थ युद्धपोत पर पहुंचे भारत के रक्षा सचिव

नई दिल्ली (एजेंसी)।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते सामरिक सहयोग के बीच भारत के रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने जापान के हिरोशिमा स्थित नौसैनिक अड्डे का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने जापान की समुद्री आत्मरक्षा सेना के अत्याधुनिक 'मोगामी' श्रेणी के स्टील्थ युद्धपोत 'नियोदो' का निरीक्षण किया और कुरे जिले के कमांडेंट वाइस एडमिरल मात्सुमोतो तमोत्सु से मुलाकात की।

इस दौर से एक दिन पहले टोक्यो में भारत और जापान के बीच रक्षा नीति संवाद का आठवां दौर आयोजित हुआ था, जिसमें दोनों देशों



ने रक्षा सहयोग और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता को मजबूत

करने पर सहमति जताई। बैठक में दोनों देशों ने पिछली

वियतनाम नाव हादसा: कोयंबटूर पहुंचे तीन शव

कोयंबटूर (एजेंसी)। वियतनाम नाव हादसे में जान गंवाने वाले तमिलनाडु के छह नागरिकों में से तीन के शव मंगलवार को कोयंबटूर एयरपोर्ट पहुंचे। जिला प्रशासन की मौजूदगी में श्रद्धांजलि देने के बाद शवों को एंजुलेंस से उनके गृह जिलों के लिए रवाना कर दिया गया। पहली खेप में तिरुचिरापल्ली जिले के शेख अब्दुल्ला, बालाजी और अलगुराजन के शव लाए गए।

एयरपोर्ट पर प्रशासन, पुलिस और राजस्व विभाग के अधिकारियों ने व्यवस्थाएं संभालीं। हादसे में मारे गए तीन अन्य तमिल नागरिकों के शव भी दूसरी उड़ान से पहुंचने की संभावना है। इनमें धर्मपूरी के सैथिलकुमार जयवेल, डिंडीगुल के मुरुग प्रभु अरुमुगम और सेलम के श्रीधर सुंदरराजन शामिल हैं।

आंध्र प्रदेश सरकार ने भी

हादसे पर दुख जताया है। मंत्री कोंडापल्ली श्रीनिवास ने बताया कि हादसे में आंध्र प्रदेश के तीन नागरिकों की भी मौत हुई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध करा रही है। वियतनाम हादसे के बाद तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के मृतकों के परिवारों में शोक का माहौल है।

समुद्री सुरक्षा पर बढ़ा फोकस

जापान यात्रा के दौरान रक्षा सचिव ने टोक्यो स्थित आत्मरक्षा बल स्मारक पर श्रद्धांजलि भी अर्पित की। इसके बाद उन्होंने कुरे नौसैनिक अड्डे पर जापानी नौसेना की क्षमताओं का अवलोकन किया।

वार्ता के बाद रक्षा क्षेत्र में हुई प्रगति की समीक्षा की और विशेष सामरिक एवं वैश्विक साझेदारी को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह, जबकि जापान की ओर से रक्षा उपमंत्रि कानो कोजी ने किया।

चारा घोटाला मामले में लालू
को मिली हाईकोर्ट से राहत

नई दिल्ली/रांची (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने देवघर कोषागार से अवैध निकासी से जुड़े चारा घोटाला मामले में राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव को मिली राहत बरकरार रखी है।

अदालत ने झारखंड हाईकोर्ट के उस आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया, जिसमें लालू की सजा निलंबित करते हुए उन्हें जमानत दी गई थी।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने झारखंड हाईकोर्ट को लालू प्रसाद यादव को लंबित अपराधिक अपील पर छह महीने के भीतर फैसला करने का निर्देश दिया है।

न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति पीबी वराले की पीठ ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश को करीब सात साल हो चुके हैं, इसलिए इस स्तर पर उसमें दखल देने की जरूरत नहीं है। अदालत ने कहा कि वर्ष 2018 से लंबित अपील पर अब जल्द सुनाई होनी चाहिए।

सीबीआई ने झारखंड हाईकोर्ट के 12 जुलाई 2019 के आदेश को चुनौती दी थी। जांच एजेंसी का तर्क था कि लालू प्रसाद को आधी सजा पूरी होने के आधार पर राहत दी गई, जबकि सजा की गणना सही नहीं थी।

सीबीआई की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने दलील दी कि चारा घोटाले के अलग-अलग मामलों में मिली सजाएं अलग-अलग चलनी चाहिए, जब तक अदालत कोई अन्य आदेश न दे।

मुख्यमंत्री श्री विद्यालय में छात्राओं को बाल एवं साइबर सुरक्षा के प्रति किया जागरूक



स्वदेश प्रेम / शान मोहम्मद सिद्दीकी नई दिल्ली : नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिमी जिला पुलिस द्वारा मुख्यमंत्री श्री विद्यालय, अशोक विहार फेज-2 में बाल सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को व्यक्तिगत सुरक्षा, साइबर अपराधों से बचाव तथा आपातकालीन परिस्थितियों में सतर्क रहने के प्रति जागरूक बनाना था। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने विद्यालय की लगभग 300 छात्राओं को व्यक्तिगत सुरक्षा के महत्वपूर्ण उपाय, साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव, महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनों तथा आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। साथ ही विभिन्न परिस्थितियों में सुरक्षित रहने के व्यावहारिक उपाय भी बताए गए। पुलिस अधिकारियों ने छात्राओं को आत्मविश्वासी, जागरूक और निडर बनने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की आपात स्थिति या संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस या संबंधित हेल्पलाइन पर दें। उत्तर-पश्चिमी जिला पुलिस ने कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों का उद्देश्य बच्चों और युवाओं को सुरक्षा संबंधी आवश्यक जानकारी देकर उन्हें अपराधों से बचाना तथा समाज में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

मजलिस पार्क मेट्रो स्टेशन के पास सड़क हादसे में 12 वर्षीय छात्रा की मौत, स्कूल बस चालक हिरासत में

स्वदेश प्रेम / शान मोहम्मद सिद्दीकी नई दिल्ली : नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के आदर्श नगर थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह मजलिस पार्क मेट्रो स्टेशन के पास हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में 12 वर्षीय छात्रा की मौत हो गई। हादसे के बाद पुलिस ने स्कूल बस चालक को हिरासत में लेकर दोनों पहलों को कब्जे में ले लिया है। मामले की जांच जारी है। पुलिस के अनुसार, 14 जुलाई 2026 को सड़क दुर्घटना की सूचना मिलने पर आदर्श नगर थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में पता चला कि डीएल-1पीडी-3756 नंबर की स्कूल बस, जिसे कमल सिंह (55 वर्ष) चला रहा था, की डीएल-11ईडी-5511 नंबर के ई-रिक्शा से टक्कर हो गई। ई-रिक्शा चालक की पहचान अजय प्रसाद (45 वर्ष) के रूप में हुई है, जो स्कूल के बच्चों को लेकर जा रहा था। टक्कर के दौरान प्रियांशी (12 वर्ष), पुत्री प्रमोद कुमार, निवासी रामा गार्डन, कंप्यूटर, ई-रिक्शा से नीचे गिर गई और स्कूल बस के नीचे आने से गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे तुरंत बाबू जगजीवन राम मेमोरियल (BJRM) अस्पताल, जहाँगीरपुरी ले जाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस हादसे में किसी अन्य बच्चे के घायल होने की सूचना नहीं है। घटना की सूचना पर क्राइम टीम और फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (FSL) की टीम ने मौके का निरीक्षण किया। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर स्कूल बस चालक को हिरासत में ले लिया है। मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मॉर्चरी में सुरक्षित रखवाया गया है। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में थाना आदर्श नगर में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है तथा दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है।

मुक्ति आराधनालय चर्च में चोरी का खुलासा, दो विधि के साथ संघर्षरत किशोर पकड़े गए

स्वदेश प्रेम / शान मोहम्मद सिद्दीकी नई दिल्ली : उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस ने पीतमपुरा स्थित मुक्ति आराधनालय चर्च में हुई चोरी की वारदात का सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए विधि के साथ संघर्षरत दो किशोरों (CCLs) को पकड़ लिया है। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर चर्च से चोरी किए गए 08 पीतल के सामान, जिनमें कैंडल स्टैंड शामिल हैं, तथा एक क्षतिग्रस्त कंप्यूटर मॉनिटर बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, 9 जुलाई 2026 को चर्च के केयरटेकर ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 8 और 9 जुलाई की मध्यरात्रि में अज्ञात व्यक्तियों ने चर्च के मुख्य द्वार की लोहे की ग्रिल तोड़कर परिसर में प्रवेश किया और चोरी की वारदात का अंजाम दिया। शिकायत के आधार पर थाना मौर्य एन्क्लेव में एफआईआर संख्या 241/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 305 एवं 331(4) में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले के खुलासे के लिए थाना प्रभारी निरीक्षक मुकेश कुमार के नेतृत्व तथा सहायक पुलिस आयुक्त सुष्टि भट्ट (आईपीएस) के पर्यवेक्षण में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का गहन विश्लेषण किया, स्थानीय स्तर पर खुफिया जानकारी जुटाई और तकनीकी व मैनुअल निगरानी के आधार पर दोनों किशोरों को पकड़ने में सफलता प्राप्त की।



चलती टाटा ऐस से 150 कार्टन अवैध शराब बरामद, उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस ने दो तस्करों को दबोचा

स्वदेश प्रेम / शान मोहम्मद सिद्दीकी नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस की एंटी बर्गलरी सेल ने अवैध शराब तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 150 कार्टन अवैध शराब के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 324 बीयर की बोतलें, 6,150 शराब के क्वार्टर तथा तस्करों में प्रयुक्त टाटा ऐस वाहन भी बरामद किया है। गिरफ्तार मुख्य आरोपी थाना शालीमार बाग का घोषित बैड कैरेक्टर (BC) है और उसके खिलाफ पहले से छह आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, अवैध शराब के परिवहन और वितरण पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान एंटी बर्गलरी सेल की टीम को सूचना मिली कि एक टाटा ऐस वाहन में मौके से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। सूचना के आधार पर मुनक नहर, हैदरपुर गांव के पास घेराबंदी कर वाहन संख्या DL-1L-AM-9931 को रोक लिया गया। वाहन की तलाशी के दौरान फॉर सेल इन



हरियाणा ऑनली अंकित 150 कार्टन अवैध शराब बरामद हुई। इसमें 324 बीयर की बोतलें और 6,150 शराब के क्वार्टर शामिल हैं। पुलिस ने मौके से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मनीष शर्मा (27 वर्ष), निवासी हैदरपुर गांव, दिल्ली तथा कन्हैया (22 वर्ष), निवासी सीतामढ़ी, बिहार के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने

उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस की कार्रवाई: अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिक को पकड़कर निर्वासन प्रक्रिया शुरू

स्वदेश प्रेम / शान मोहम्मद सिद्दीकी नई दिल्ली : नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस के विदेशी प्रकोष्ठ (Foreigner Cell) ने अवैध रूप से भारत में रह रहे एक बांग्लादेशी नागरिक को पकड़कर उसके निर्वासन (डिपोर्टेशन) की प्रक्रिया शुरू कर दी है। कार्रवाई के दौरान उसके कब्जे से एक स्मार्टफोन भी बरामद किया गया, जिसमें प्रतिबंधित व्हट्सएप इंस्टॉल था तथा मोबाइल गैलरी में बांग्लादेशी राष्ट्रीय पहचान संबंधी दस्तावेज मिले। पुलिस के अनुसार, अवैध विदेशी नागरिकों के विरुद्ध

चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत 10 जुलाई 2026 को विदेशी प्रकोष्ठ की टीम ने भलस्वा फ्लाईओवर, थाना जहांगीरपुरी के नीचे गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की। इस दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लिया गया, जो कथित रूप से किन्नर का वेश धारण कर क्षेत्र में घूम रहा था। पृष्ठताछ के दौरान वह भारत में वैध रूप से रहने अथवा यात्रा करने संबंधी कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। विस्तृत पूछताछ, दस्तावेजों के सत्यापन तथा डिजिटल जांच के बाद उसकी पहचान सुकान्त चंद्र दास उर्फ माधुरी



(44 वर्ष), निवासी जिला गाजीपुर, ढाका (बांग्लादेश) के रूप में हुई। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी बिना किसी वैध दस्तावेज के भारत में रह रहा था। पूछताछ के दौरान उसने कथित रूप से खुलासा किया कि वह रात के समय किन्नर का वेश धारण कर अवैध गतिविधियों में संलग्न रहता था। पुलिस ने उसके कब्जे से बरामद स्मार्टफोन की जांच की, जिसमें प्रतिबंधित व्हट्सएप इंस्टॉल मिला। मोबाइल की गैलरी में बांग्लादेशी राष्ट्रीय पहचान से संबंधित

दस्तावेज भी पाए गए, जिन्हें जांच के लिए जब्त कर लिया गया। उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस ने आरोपी को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (FRRO) के समक्ष प्रस्तुत किया, जहां से नियमानुसार उसके निर्वासन (Deportation) की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, राजधानी में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रहेगा तथा ऐसे मामलों में कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

द्वारका पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 6,250 क्वार्टर अवैध शराब के साथ अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार



स्वदेश प्रेम / शान मोहम्मद सिद्दीकी नई दिल्ली : नई दिल्ली। द्वारका जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान ह्वनशे पर लगाम, देश को सभामां! के तहत एंटी ऑटो थैफ्ट स्क्वाड (AATS) ने अंतरराज्यीय अवैध शराब तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 125 पेटियों में भरे 6,250 क्वार्टर (करीब 1,125 लीटर) अवैध देसी व अंग्रेजी शराब तथा परिवहन में इस्तेमाल किया जा रहा अशोक लोलैंड टेंपो बरामद कर

जब्त किया है। पुलिस के अनुसार, 10/11 जुलाई 2026 की मध्यरात्रि को गुप्त सूचना और तकनीकी निगरानी के आधार पर एएटीएस की टीम ने दूध सिरस चौक, वामडोली रोड, द्वारका के पास जाल बिछाया। संदिग्ध अशोक लोलैंड टेंपो को रोकने का इशारा किया गया तो तस्कर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसके कब्जे से 125 पेटियों में भरे 6,250 क्वार्टर (करीब 1,125 लीटर) अवैध देसी व अंग्रेजी शराब तथा परिवहन में इस्तेमाल किया जा रहा अशोक लोलैंड टेंपो बरामद कर



में हुई है। पूछताछ के दौरान वाहन की तलाशी लेने पर उसमें से हरियाणा में विक्री हेतु चिन्हित 125 पेटियों में रखी 6,250 क्वार्टर अवैध शराब बरामद हुई। बरामद शराब में 90 पेटों फाल्कन देसी शराब (4,500 क्वार्टर), 15 पेटों रेस-7 मेट्रो (750 क्वार्टर) तथा 20 पेटों नाइट ब्लू आईएमएफएल (1,000 क्वार्टर) शामिल हैं। इस संबंध में थाना सेक्टर-23 द्वारका में दिल्ली आवकारी अधिनियम की धाराओं 33/38/58(ऊ) के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर

लिया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी पहले भी आवकारी अधिनियम के एक मामले में शामिल रह चुका है। द्वारका जिला पुलिस के अनुसार, पुलिस उपायुक्त कुशल पाल सिंह, आईपीएस के निदेशन में जिले में नशे और अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। मामले की आगे की जांच जारी है तथा इस अवैध शराब नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

जन सुनवाई में लोगों की समस्याओं का हुआ त्वरित समाधान, ऑपरेशन विश्वास के तहत 30 से अधिक खोए मोबाइल लौटाए गए

स्वदेश प्रेम / शान मोहम्मद सिद्दीकी नई दिल्ली। केंद्रीय जिला पुलिस द्वारा 11 जुलाई 2026 को जिले के सभी पुलिस थानों में जन सुनवाई (जन सुनवाई) का आयोजन किया गया। इस दौरान नागरिकों को वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के समक्ष अपनी शिकायतें और समस्याएं सीधे रखने का अवसर मिला। अधिकारियों ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए उनके त्वरित एवं प्रभावी समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जन सुनवाई के दौरान ऑपरेशन विश्वास के अंतर्गत एक विशेष पहल करते हुए पिछले 30 दिनों में खोए हुए 30 से अधिक मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को वापस सौंपे गए। ये मोबाइल फोन पहले सेंट्रल इन्क्विजमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर पोर्टल पर दर्ज कर ब्लॉक किए गए थे, ताकि उनका दुरुपयोग न हो सके। केंद्रीय जिला पुलिस ने तकनीकी विक्षेपण, लगातार निगरानी और फील्ड स्तर पर समन्वित प्रयासों के माध्यम से इन मोबाइल फोन का



पता लगाकर उन्हें बरामद किया। सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने और स्वाभिमर्क की पुष्टि के बाद मोबाइल उनके वैध मालिकों को सौंप दिए गए। मोबाइल वापस मिलने पर लाभार्थियों ने दिल्ली पुलिस के प्रयासों की सराहना करते हुए पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि त्वरित कार्रवाई और पारदर्शी प्रक्रिया से आम जनता का पुलिस पर विश्वास और मजबूत हुआ है। केंद्रीय जिला पुलिस के अनुसार, ऑपरेशन विश्वास आधुनिक

तकनीक और पेशेवर पुलिसिंग का उत्कृष्ट उदाहरण है। इसका उद्देश्य नागरिकों की संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करना, जनसेवा को और अधिक प्रभावी बनाना तथा पुलिस और जनता के बीच विश्वास को मजबूत करना है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जन सुनवाई का उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना और पुलिस-जन सहभागिता को और अधिक सशक्त बनाना है, ताकि सुरक्षित, भरोसेमंद और नागरिक-केन्द्रित पुलिस व्यवस्था को बढ़ावा दिया जा सके।

फर्जी पहचान बनाकर 9.79 लाख रुपये की विदेशी मुद्रा लूटने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, कार और 1,100 यूरो बरामद

स्वदेश प्रेम / शान मोहम्मद सिद्दीकी नई दिल्ली। पूर्वी जिला पुलिस की थाना पांडव नगर टीम ने विदेशी मुद्रा से जुड़ी करीब 9.79 लाख रुपये की हाई-वैल्यू लूट की वारदात का सफल खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त हुंडई एक्सैट कार तथा लूटी गई रकम में से 1,100 यूरो बरामद किए हैं। मामले में फरार अन्य आरोपियों की तलाश और शेष विदेशी मुद्रा की बरामदगी के लिए पुलिस की कार्रवाई जारी है। पुलिस के अनुसार, 6 जुलाई 2026 को नोएडा स्थित ट्रीपस्के फॉरेक्स प्रा. लिमिटेड के प्रतिनिधि को स्वयं को ह्विस्टर सिंहह बताने वाले एक व्यक्ति का फोन आया। उसने मदु विहार स्थित साई चौक पर तत्काल 5,500 यूरो की डिलीवरी देने को कहा। कंपनी के फील्ड एग्जीक्यूटिव हरे कृष्ण जना (42 वर्ष) विदेशी मुद्रा और नकदी लेकर बताए गए स्थान पर पहुंचे। उनके पास 5,500 यूरो, 35,000 थाई बहत, 2,600 अमेरिकी डॉलर, 1,200 चीनी युआन तथा 10,000 रुपये थे, जिनकी कुल कीमत लगभग 9.79 लाख रुपये थी। बताए गए स्थान पर पहुंचने पर पीड़ित को एक कार में बैठाया गया, जहां पहले से मौजूद तीन लोगों ने उसकी आंखों में मिर्च स्प्रे डालकर पूरा कैश बैग लूट लिया और फरार हो गए। इस संबंध में थाना पांडव नगर में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना पांडव नगर की विशेष टीम ने तकनीकी विक्षेपण और व्यापक फील्ड जांच की। जांच में पता चला कि जिस पते पर डिलीवरी के लिए बुलाया गया था, वह कई वर्षों से बंद पड़ा था



और वहां मिस्टर सिंह नाम का कोई व्यक्ति कभी नहीं रहता था। साथ ही, वारदात में इस्तेमाल किया गया मोबाइल नंबर भी फर्जी दस्तावेजों के आधार पर लिया गया था। तकनीकी साक्ष्यों और लगातार की गई जांच के आधार पर पुलिस टीम मेरठ के मुल्तान नगर पहुंची, जहां से दो आरोपियों कार्तिंक उर्फ किट्टू (20 वर्ष) और कवलजीत उर्फ गोल्डी (23 वर्ष) को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने वारदात में अपनी संलग्नता स्वीकार कर ली। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने लूट में इस्तेमाल की गई हुंडई एक्सैट कार तथा 1,100 यूरो बरामद किए। दोनों आरोपी फिलहाल पुलिस रिमांड पर हैं और पुलिस अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। पूर्वी जिला पुलिस के अनुसार, इस मामले का खुलासा तकनीकी जांच, स्थानीय स्तर पर की गई गहन पड़ताल और पुलिस टीम की सतर्कता का परिणाम है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही फरार आरोपियों को भी गिरफ्तार कर शेष लूटी गई विदेशी मुद्रा बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर चोरी हुआ आईफोन 16 प्लस बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

स्वदेश प्रेम / शान मोहम्मद सिद्दीकी नई दिल्ली। मध्य जिला पुलिस के थाना पहाड़गंज की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के बाहर चोरी हुए एप्पल आईफोन 16 प्लस को बरामद कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने मुख्य चोर सहित चोरी का मोबाइल छिपाने वाले उसके साथी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, 12 जुलाई 2026 की सुबह करीब 5:45 बजे डायल-112 के माध्यम से सूचना मिली कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के एग्जिट गेट के बाहर आंटी का इंतजार कर रहे एक व्यक्ति की पैंट की जेब से किसी अज्ञात व्यक्ति ने नीले रंग का एप्पल आईफोन 16 प्लस चोरी कर लिया। पीड़ित ने आसपास मौजूद लोगों की मदद से आरोपी को मौके पर ही पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी।



सूचना मिलते ही थाना पहाड़गंज के एसआई साहिल अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपी ने खुलासा किया कि उसने चोरी किया गया मोबाइल अपने एक साथी को दे दिया था, ताकि पुलिस उसे बरामद न कर सके। आरोपी के खुलासे के आधार पर पुलिस ने तत्काल छापेमारी कर उसके साथी को भी

गिरफ्तार कर लिया तथा उसके कब्जे से चोरी हुआ एप्पल आईफोन 16 प्लस बरामद कर लिया। पुलिस ने मोबाइल को कब्जे में लेकर मामले की जांच आगे बढ़ा दी है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रोहित उर्फ विकास (37 वर्ष), निवासी नवी करीम, दिल्ली तथा यश उर्फ राहुल उर्फ चिट्ठू (24 वर्ष), निवासी हिसार, हरियाणा के रूप में हुई है। जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपी रोहित उर्फ विकास आदतन संपत्ति संबंधी अपराधी है और उसके खिलाफ दिल्ली के विभिन्न थानों में चोरी, लूट, चोरी का माल रखने तथा एनडीपीएस एक्ट सहित कई मामलों में पहले से मुकदमे दर्ज हैं। वहीं, दूसरे आरोपी यश उर्फ राहुल उर्फ चिट्ठू के खिलाफ भी पहले चोरी का मामला दर्ज पाया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह सफलता त्वरित कार्रवाई, लगातार पूछताछ और समयबद्ध छापेमारी का परिणाम है। मामले में आगे की जांच जारी है।

हरियाणा में 20 करोड़ के अनुसंधान कोष को मंजूरी

90 रिसर्च प्रोजेक्ट्स को मिलेगी फंडिंग; हर जिले में खुलेंगे मॉडल संस्कृति कॉलेज

हरियाणा(एजेंसी)। सरकार ने राज्य में उच्च शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार को नई दिशा देने के लिए बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सेनी ने सोमवार को विजन-2047 को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक में 20 करोड़ रुपए के हरियाणा राज्य अनुसंधान कोष' को मंजूरी दी। इस कोष के तहत प्रदेश के 27 उच्च शिक्षा संस्थानों की 90 अनुसंधान परियोजनाओं को वित्तीय सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को केवल डिग्री देने वाले संस्थान नहीं, बल्कि राज्य

की वास्तविक समस्याओं का समाधान खोजने वाले अनुसंधान केंद्र बनाना है। उन्होंने कहा कि अनुसंधान का लाभ प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि किसानों, उद्योगों और आम लोगों तक पहुंचना चाहिए। कृषि से AI तक, इन विषयों पर हांगा शोध सरकार के अनुसार जिन 90 परियोजनाओं को सहायता मिलेगी, वे हरियाणा की जरूरतों से जुड़े विषयों पर आधारित हैं। इनमें कृषि, भूजल संरक्षण, जल प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य सेवाएं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता



(AI), ग्रामीण विकास, औद्योगिक नवाचार और समावेशी शिक्षा जैसे क्षेत्र शामिल हैं। बैठक में मुख्यमंत्री ने 'नीव' पोर्टल की भी समीक्षा की। इस डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए राज्य के सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में अनुसंधान, पेटेंट, स्टार्टअप, प्लेसमेंट और छात्रों के परिणामों की लाइव ट्रैकिंग की जाएगी। सरकार का दावा है कि इससे डेटा आधारित निर्णय लेने में मदद मिलेगी और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन को गति मिलेगी।

हर जिले में मॉडल संस्कृति कॉलेज हर जिले में मॉडल संस्कृति कॉलेज स्थापित किए जाएंगे। आधुनिक तकनीकों की पढ़ाई के लिए स्वायत्त अकडिजिटल कॉलेज बनाए जाएंगे। शोध को प्रोत्साहन देने के लिए 50 हजार रुपये तक पेटेंट पंजीकरण शुल्क की प्रतिपूर्ति की जाएगी। छात्रों को इंटरशिप, अग्रेडिशनशिप और प्लेसमेंट से जोड़ने के लिए सिगल विंडो डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित किया गया है। गुणवत्ता सुधार के लिए अलग से ₹10 करोड़ सरकार ने उच्च शिक्षा संस्थानों

की गुणवत्ता और अनुसंधान को बेहतर बनाने के लिए 10 करोड़ रुपए का 'उच्च शिक्षा गुणवत्ता एवं अनुसंधान उत्कृष्टता कोष' भी बनाया है। बैठक में हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा ने मॉडल संस्कृति कॉलेजों की रूपरेखा प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार ने अपना वादा पूरा करते हुए प्रदेश में छात्राओं की सुविधा के लिए 20 किलोमीटर की परिधि के भीतर कॉलेज उपलब्ध कराने का लक्ष्य पूरा किया है, जिससे बेटियों को उच्च शिक्षा तक आसान पहुंच मिली है।

संक्षिप्त डायरी

रेवाड़ी में महिला ने जहर खाकर किया सुसाइड



रेवाड़ी(एजेंसी)। जिले के धारुहेड़ा में एक बेटे की मां 26 वर्षीय ने जहरीला पदार्थ खाकर सुसाइड कर लिया। मृतका तीन साल से कंपनी में काम कर रही थी। अकेली श्याम नगर धारुहेड़ा में किराए पर रहती थी। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर परिजनों को सूचना दी। नागरिक अस्पताल पहुंचे मृतका के पिता ने कहा कि 7 साल पहले 100 आदमियों की बारात नकली फोटोग्राफर के साथ आई थी।एक बेटा है और 3 साल से तलाक का केस चल रहा है। अब बेटी के साथ सबकुछ खत्म हो गया। हमें किसी पर कोई केस नहीं करना। बेटी का अंतिम संस्कार भी उसकी ससुराल में ही होगा। धारुहेड़ा थाना पुलिस ने पिता के ब्यान पर 174 की कार्रवाई करते हुए शव के पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी।दिल्ली के नजफगढ़ निवासी सुशील कुमार ने बताया कि करीब सात 7 पहले अपनी बेटी सविता की शादी किठाना (कैथल) निवासी मोनु से की थी। मोनु 100 आदमियों की बारात लेकर आए थे। उनके साथ एक फोटोग्राफर भी था। शादी के बाद पता चला कि फोटोग्राफर एक भी फोटो नहीं बना पाया।उन्होंने बताया कि शादी के बाद सविता ने एक बेटे को जन्म दिया। शादी के बाद मोनु कोई काम धंधा नहीं करता था। जिससे दोनों में विवाद रहने लगा। तीन साल पहले बेटे के कहने पर हमने तलाक का केस डाला, जो अभी कोर्ट में विचाराधीन है। सविता धारुहेड़ा की कंपनी में नौकरी करती थी, वहीं किराए पर रह रही थी। बेटा परिवार के साथ किठाना में रह रहा है।सोमवार शाम को सूचना मिली कि सविता ने जहरीला पदार्थ खाकर सुसाइड कर लिया। मोनु यहाँ नहीं आया, परिवार के दो लोग आए हैं। पोस्टमार्टम के बाद शव उन्हीं को सौंपा जाएगा और किठाना में ही शव का अंतिम संस्कार करवाया जाएगा। हमें किसी पर कोई केस नहीं करना है।पड़ोसी ने दी पुलिस को सूचना जांच अधिकारी ने बताया कि एक मकान में दो किराएदार रह रहे थे। शायद इसी कारण उसने यह कदम उठाया है। इंतोफाकिया कार्रवाई कर शव के पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

यमुनानगर में हाइड्रा ने दो महिलाओं को रौंदा

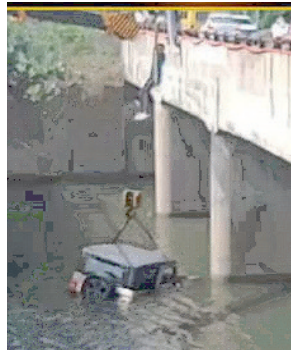
यमुनानगर (एजेंसी)। शादीपूर क्षेत्र में सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में तेज रफ्तार और लापरवाही से दौड़ रही हाइड्रा ने सड़क किनारे पैदल जा रही दो महिलाओं को कुचल दिया। हादसे में एक महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि दूसरी गंभीर रूप से घायल हो गई। वहीं महिला की गोद में मौजूद तीन वर्षीय बच्ची टक्कर लगते ही उछलकर सड़क किनारे जा गिरी, जिससे उसकी जान बच गई। दुर्घटना के बाद चालक हाइड्रा को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भिजवाया, जहां इलाज के दौरान घायल महिला को बाजू काटनी पड़ी।मृतका की पहचान 55 वर्षीय हमीदा खातून पत्नी नूर अहमद निवासी गांव दुगापूर ललियाही जिला कटिहार, बिहार के रूप में हुई है और वह चार बच्चों की मां थी, जिनमें से दो की शादी कर दी थी जबकि दो अभी अविवाहित हैं। पुलिस ने चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।बिहार के कटिहार जिले के दुगापूर ललियाही गांव के निवासी रियाज ने बताया कि वह यमुनानगर के शादीपूर में किराये पर रहकर एक माइक्रो प्लाईवुड फैक्ट्री में मजदूरी करता है। उसकी शादी करीब चार साल पहले अनीषा खारतून से हुई थी और उनकी तीन वर्षीय बेटी अनाया है। उसके साथ उसकी रिश्ते में मासी लगने वाली हमीदा खातून भी पास में रहती है।सोमवार को वह अपनी पत्नी अनीषा, बेटी अनाया और मासी हमीदा के साथ शादीपूर बाजार सामान खरीदने जा रहा था। उसकी पत्नी ने बेटो को गोद में उठाया हुआ था, जबकि हमीदा उनके साथ पैदल चल रही थी।अभी वह खुर उसने कुछ दूरी पीछे चल रहा था जब वे वैदिक साधन आश्रम से थोड़ा आगे खजुरी रोड पर पहुंचे, तभी खजुरी रोड की तरफ से एक पीले रंग की हाइड्रा तेज रफ्तार और लापरवाही से आई और उसकी पत्नी व मासी को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही उसकी तीन साल की बेटी अनाया उछलकर सड़क किनारे गिर गई, जबकि हाइड्रा का अगला पहिया उसकी पत्नी अनीषा के बाएं हाथ और पैर के ऊपर से गुजर गया।इसके बाद हाइड्रा मासी हमीदा के पेट के ऊपर से निकल गया। हादसे के बाद चालक मौके पर ही हाइड्रा छोड़कर फरार हो गया। घटना के तुरंत बाद डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और राहगीरों की मदद से पत्नी, बेटी और मासी को जेपी अस्पताल यमुनानगर पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान मासी हमीदा खातून की मौत हो गई।वहीं उसकी पत्नी अनीषा की उपचार के दौरान उसकी एक बाजू को काटना पड़ा। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि यह हादसा हाइड्रा चालक की तेज रफ्तार, लापरवाही और गलत तरीके से वाहन चलाने के कारण हुआ है।यमुनानगर सदर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

2 मासूम बच्चों की हत्या कर पिता ने लगाया फंदा

झज्जर(एजेंसी)। जिले के बहादुरगढ़ की ओमैक्स सिटी स्थित बीपीएल फ्लैट्स में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक घटना ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया। किराए के एक फ्लैट से एक ही परिवार के तीन सदस्यों के शव मिलने से सनसनी फैल गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पिता ने पहले अपने दो मासूम बच्चों की कथित रूप से हत्या की और उसके बाद फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद पूरे फ्लैट परिसर में मातम का माहौल है।मृतक की पहचान महेंद्रगढ़ जिले के खुदान गांव निवासी सुनील के रूप में हुई है। उसका परिवार बहादुरगढ़ के लायनपार स्थित हरि नगर में रहता है। सुनील ओमैक्स सिटी के बीपीएल फ्लैट्स के फ्लैट नंबर 309 में किराए पर रह रहा था। वह ड्राइविंग के साथ-साथ प्रिण्टी का काम भी करता था।मंगलवार सुबह फ्लैट के भीतर काफी देर तक कोई हलचल नहीं होने पर आसपास के लोगों को संदेह हुआ। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा खुलवाया।

सोनीपत में रेलिंग तोड़ ड्रेन में गिरी थार

सोनीपत (एजेंसी)। जिले के गोहाना में मंगलवार को गोहाना-रोहतक मार्ग पर ड्रेन नंबर-8 में एक थार गाड़ी अचानक असंतुलित होकर जा गिरी। हादसा इतना गंभीर था कि कुछ पल के लिए मौके पर अफरा-तफरी मच गई, लेकिन ड्रेन में पानी का स्तर कम होने के कारण गाड़ी पूरी तरह नहीं डूबी और ड्राइवर की जान बच गई।आसपास मौजूद लोगों ने बिना देर किए राहत कार्य शुरू किया, ड्राइवर को सुरक्षित बाहर निकाला और इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और बाद में क्रेन की मदद से थार को ड्रेन से बाहर निकलवाया। फिलहाल घायल ड्राइवर का अस्पताल में इलाजचल रहा है। जानकारी के अनुसार गोहाना के गढ़ी सराय निवासी दीपक मंगलवार सुबह करीबन 10 बजे थार गाड़ी से गोहाना से रोहतक की ओर जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ड्रेन नंबर-8 के पास पुलिस का नाका लगा हुआ था। इसी दौरान नाके के पास वाहन मोड़ते समय अचानक थार का संतुलन बिगड़ गया और गाड़ी सीधे ड्रेन में जा गिरी।पानी कम होने से बची जान हादसे के समय ड्रेन में पानी का स्तर काफी कम था। इसी वजह से थार पूरी तरह पानी में नहीं डूबी और ड्राइवर को बाहर निकलने का मौका मिल गया। यदि ड्रेन में पानी अधिक होता, तो हादसा जानलेवा साबित हो सकता था। स्थानीय लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया और घायल दीपक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हादसे के तुरंत बाद आसपास मौजूद लोगों ने बिना समय गंवाए बचाव अभियान शुरू किया। लोगों ने घायल चालक को ड्रेन से बाहर निकालकर प्राथमिक सहायता दी और तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। हादसे में



दीपक को चोटें आई हैं, लेकिन समय रहते मदद मिलने से उनकी जान बच गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। बाद में क्रेन मंगवाकर ड्रेन में गिरी थार को बाहर निकलवाया गया। पुलिस ने हादसे के कारणों की जानकारी जुटानी शुरू कर दी है।किसी काम से निकला था दीपकपरिजनों ने बताया कि गढ़ी सराय निवासी दीपक किसी जरूरी काम से घर से निकले थे। कुछ ही देर बाद सूचना मिली कि उनकी थार गोहाना-रोहतक रोड पर ड्रेन नंबर-8 में गिर गई है। फिलहाल दीपक अस्पताल में भर्ती हैं और उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। बाद में क्रेन मंगवाकर ड्रेन में गिरी थार को बाहर निकलवाया गया। पुलिस ने हादसे के कारणों की जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। किसी काम से निकला था दीपक परिजनों ने बताया कि गढ़ी सराय निवासी दीपक किसी जरूरी काम से घर से निकले थे। कुछ ही देर बाद सूचना मिली कि उनकी थार गोहाना-रोहतक रोड पर ड्रेन नंबर-8 में गिर गई है। फिलहाल दीपक अस्पताल में भर्ती हैं और उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

हरियाणा (एजेंसी)। पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. सुभाष चंद्रा के पिता नंदकिशोर गोयनका के पार्थिव शरीर को मुंबई से हिसार लाते हुए चार्टर्ड प्लेन मंगलवार को हादसे का शिकार हो गया। पायलट ने हिसार एयरपोर्ट पर विमान को एयरपोर्ट के चालू रनवे के बजाय गलती से बंद पड़े पुराने रनवे पर लैंड करा दिया। पुराने रनवे पर उतरते ही विमान वहां लगी कैट आई से जा टकराया।टक्कर इतनी जोरदार थी कि प्लेन के पंख (विंग) को चीरती हुई लाइट उसके अंदर तक घुस गई। गनीमत रही कि हादसे में पायलट और विमान में सवार अन्य सभी लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं।नंद किशोर गोयनका का सोमवार को मुंबई में निधन हो गया। वे 96 वर्ष के थे और पिछले कई दिनों से बीमार चल रहे थे।हिसार एयरपोर्ट पर जो चार्टर्ड प्लेन हादसे का शिकार हुआ उसमें पूर्व राज्यसभा सांसद सुभाष चंद्रा की पत्नी सुशीला



और परिवार के अन्य लोग सवार थे। वह पिता नंदकिशोर गोयनका के पार्थिव शरीर को मुंबई से हिसार ला रहे थे। खुद सुभाष चंद्रा एयरपोर्ट पर फैमिली को रिसीव करने गए हुए थे।क्या होती है कैट आई जिससे टकराया प्लेनकैट आई रनवे या सड़कों पर लगी रिफ्लेक्टर लाइट्स होती हैं, जो रात या धुंध के समय पायलट को रनवे का रास्ता दिखाती हैं। पुराना रनवे बंद होने के कारण वहां की स्थिति लैंडिंग के अनुकूल नहीं थी, जिससे टकराकर विमान का विंग डैमेज हो गया।नंद किशोर

नीमच पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 450 किलो डोडाचूरा जब्त, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 67.62 लाख रुपये

स्वदेश प्रेम / सलमान अली नीमच, मध्य प्रदेश नीमच। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में चलाए जा रहे नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत नीमच पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस थाना सिंगोली ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए 450 किलो 800 ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा बरामद किया है, जिसकी अनुमानित कीमत 67.62 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए जिले में लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत थाना



सिंगोली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में डोडाचूरा जब्त किया। बरामद मादक पदार्थ को विधि अनुसार जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मादक पदार्थों की तस्करी

और अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही पूरे नेटवर्क की जांच कर इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य आरोपियों को पकड़ान और गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। नीमच

पुलिस ने नागरिकों से भी अपील की है कि यदि कहीं भी नशे के अवैध कारोबार की जानकारी मिले तो तत्काल पुलिस को सूचना दें, ताकि समाज को नशामुक्त बनाने की दिशा में प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

अभय चौटाला ने कांग्रेस विधायक को दी गाली

गुरुग्राम-भाजपा ऑफिस के बाहर पुलिस से भिड़े कांग्रेस कार्यकर्ता सुंदरकांड करने पहुंचे डिटेल किया तो पुलिस लाइन में ही पाठ करने लगे

अयोध्या (एजेंसी)। राम मंदिर चढ़ावा चोरी के खिलाफ गुरुग्राम में कांग्रेस कार्यकर्ता मंगलवार को भाजपा ऑफिस 'गुरुकमल' के बाहर सुंदरकांड पाठ करने पहुंचे। हाथों में हनुमान चालीसा की किताब थी। जैसे ही वो ऑफिस के पास पहुंचे, पुलिस ने खदेड़ना शुरू कर दिया। जिससे उनकी पुलिस से झड़प हो गई। सेक्टर-40 थाना पुलिस ने सुबह ही बीजेपी ऑफिस के 300 मीटर के दायरे में बीएनएस की धारा 163 लागू कर दी थी। पुलिस के समझाने पर कांग्रेस कार्यकर्ता बैरिकेड्स के पास मेन रोड पर ही बैठ गए। थोड़ी देर बाद बैरिकेड्स पार कर जाने लगे तो पुलिस ने उन्हें डिटेल कर दिया। डिटेल किए जाने के बाद कार्यकर्ताओं ने पुलिस लाइन में ही सुंदरकांड का पाठ शुरू कर दिया। प्रदर्शन में कांग्रेस के दोनों जिला अध्यक्ष वर्धन राव और पंकज डाबर मौजूद रहे। वहीं, मामले में



भाजपा ने कहा कि अगर कांग्रेस को सुंदरकांड करना ही है, तो अंदर आकर करें। ऑफिस के बाहर हल्ला करने से कुछ नहीं होगा। पुलिस द्वारा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेने के बाद कांग्रेस ने सरकार और पुलिस पर दमनकारी नीति अपनाने का आरोप लगाया। वहीं भाजपा ने इस पूरे घटनाक्रम को भाजपा का राजनीतिक स्टंट करार दिया। बीजेपी जिलाध्यक्ष सर्वप्रेम त्यागी ने कहा कि कांग्रेस नेता कार्यालय

के बाहर की बजाय अंदर सुंदरकांड का पाठ करें। हम उनका स्वागत करेंगे और उनके साथ बैठने का काम करेंगे। सेक्टर-40 थाना प्रभारी राजेश बागड़ी ने प्रदर्शन से पहले कांग्रेस नेताओं को नोटिस जारी कर कानून उभने हाथ में न लेने और शांति व्यवस्था बनाए रखने की हिदायत दी। पुलिस सूत्रों का कहना है कि किसी भी राजनीतिक दल के कार्यालय के ठीक बाहर इस तरह के धार्मिक आयोजन से दो पक्षों में टकराव की स्थिति पैदा



हो सकती है, जिससे शहर की यातायात और सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित होने का खतरा है। उधर, नोटिस मिलने के बाद कांग्रेस नेताओं ने पुलिस और भाजपा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। कांग्रेस के ग्रामीण जिलाध्यक्ष वर्धन राव ने देर रात सोशल मीडिया पर एक वीडियो संदेश जारी कर कहा, "भगवान श्रीराम और हनुमान जी का नाम लेना और सुंदरकांड का पाठ करना देश में कोई अपराध नहीं है। भाजपा खुद को धर्म का

ठेकेदार समझती है, लेकिन जब विपक्ष भगवान की आराधना करना चाहता है, तो उन्हें पुलिस का डर दिखाया जा रहा है।" राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले क्या है? अयोध्या स्थित राम मंदिर के चढ़ावे में हेराफेरी का मामला सामने आया है, जिसमें मंदिर के दानपात्र से करोड़ों रुपए चुराने का आरोप है। 50 से ज्यादा कर्मचारी जांच के दायरे में हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने एसआईटी

(SIT) का गठन किया है और सुप्रीम कोर्ट ने भी ट्रस्ट को नोटिस जारी कर रिपोर्ट मांगी है। चढ़ावे में हेराफेरी: आरोप है कि दानपात्र में आने वाले करोड़ों रुपयों (अनुमानित 200 करोड़ रुपये तक) में हेरेफेर की गई। मंदिर में काम करने वाले कई ऐसे कर्मचारी, जिनकी मासिक आय मात्र ₹18,000 से ₹20,000 के बीच थी, उनके पास अचानक भारी संपत्ति, प्लॉट और लाखों की नकदी मिलने की बात सामने आई है।एसआईटी जांच और निरन्तरािर्यां: मामले की जांच के लिए बनाई गई एसआईटी (SIT) ने अब तक 100 से ज्यादा कर्मचारियों से पूछताछ की है। पुलिस ने छापेमारी में अविनाश शुक्ला नाम के आरोपी के घर से 20 लाख रुपये नकद और विदेशी मुद्रा (डॉलर) सहित भारी मात्रा में जेवरात बरामद किए हैं।

बागपत पुलिस का सघन चेकिंग अभियान जारी, कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए

प्रमुख स्थानों का किया निरीक्षण

स्वदेश प्रेम / दिनेश कुमार बागपत, उत्तर प्रदेश बागपत। जनपद में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण तथा शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक बागपत के निर्देशन में पुलिस का विशेष अभियान लगातार जारी है।

अभियान के तहत जोनल एवं पीसीएम अधिकारी लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा ले रहे हैं। पुलिस अधिकारियों ने प्रमुख चौराहों, महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों तथा पुलिस रियॉयन्स हीकल (PRV) पर तैनात पुलिसकर्मियों की ड्यूटी का निरीक्षण कर उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके साथ ही विभिन्न स्थानों पर संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन चेकिंग अभियान चलाया गया।



चेकिंग के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की गई तथा आवश्यकतानुसार वैधनिक कार्रवाई भी सुनिश्चित की गई। पुलिस अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सतर्कता बरतने तथा सशस्त्र गतिविधियों पर लगातार नजर रखने के निर्देश दिए। बागपत पुलिस का कहना है कि जनपद में अपराध नियंत्रण एवं आमजन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। इसी उद्देश्य से नियमित गश्त, वाहन चेकिंग और संवेदनशील स्थानों की निगरानी लगातार जारी रहेगी, ताकि नागरिकों को सुरक्षित एवं भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

अवैध चाकू के साथ युवक गिरफ्तार, ऑपरेशन प्रहार के तहत गोविन्दनगर पुलिस की कार्रवाई

स्वदेश प्रेम / गिरिश कुमार-मथुरा : मथुरा जनपद के थाना गोविन्दनगर पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार के तहत प्रभावी कार्रवाई करते हुए एक युवक को अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक अवैध चाकू बरामद कर उसके विरुद्ध आम्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, 13 जुलाई 2026 की रात लगभग 11:22 बजे थाना गोविन्दनगर की पुलिस टीम पुरानी रेवेले लाइन स्थित पुलिसिया से करीब 40 कदम आगे, गोविन्द नगर की ओर चौकी

मरानी क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान संदिग्ध अवस्था में मिले मुन्ना पुत्र लालो, निवासी भरवापुर गेट, गिरामंडी, थाना कोतवाली, मथुरा (उम्र लगभग 22 वर्ष) को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके पास से एक अवैध चाकू बरामद हुआ। बरामदगी के आधार पर थाना गोविन्दनगर में मु.अ.सं. 286/2026, धारा 4/25 आम्स एक्ट के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। इस कार्रवाई को थाना प्रभारी अजय वर्मा, चौकी प्रभारी मरानी उपनिरीक्षक महेन्द्र सिंह, कांस्टेबल अंकित बाबू एवं कांस्टेबल राजल सागर की टीम ने सफलतापूर्वक अंजाम दिया। मथुरा पुलिस ने कहा कि जनपद में अपराध एवं अवैध हथियारों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा तथा कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।



गैंगस्टर एक्ट का वांछित आरोपी गिरफ्तार, 1200 ग्राम गांजा, फर्जी आधार कार्ड और मोबाइल बरामद

स्वदेश प्रेम / करन सिसौदिया मथुरा : मथुरा के थाना गोवर्धन पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में वांछित चल रहे एक शांति आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 1200 ग्राम अवैध गांजा, तीन फर्जी आधार कार्ड तथा एक पोको कंपनी का मोबाइल फोन बरामद किया है। आरोपी के विरुद्ध पहले से कई संगीन अपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार 13 जुलाई 2026 की रात करीब 9:30 बजे नगला सपेरा जाने वाले कच्चे रास्ते पर चेकिंग के दौरान साहिद पुत्र साहू, निवासी देवसरस, थाना गोवर्धन, उम्र लगभग 26 वर्ष, को गिरफ्तार किया गया। आरोपी गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में वांछित चल रहा था। जांच में सामने आया कि आरोपी अपनी फोटो लगाकर फर्जी आधार कार्ड तैयार करता था और फर्जी सिम व मोबाइल फोन के माध्यम से लोगों को फोन, लिंक एवं ओटीपी के झांसे में लेकर साइबर टगी को अंजाम देता था। पुलिस का कहना है कि आरोपी लोगों से धोखाधड़ी कर अवैध आर्थिक लाभ अर्जित करता था। बरामदगी के आधार पर आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम (आईटी एक्ट) तथा एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी पर गैंगस्टर एक्ट, आम्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट, साइबर धोखाधड़ी, जालसाजी, हत्या के प्रयास, चोरी, धोखाधड़ी और अन्य गंभीर अपराधों सहित करीब 18 मुकदमे पहले से दर्ज हैं। इस कार्रवाई को थाना गोवर्धन के प्रभारी निरीक्षक विनय कुमार मिश्रा के नेतृत्व में उपनिरीक्षक संतोष सिंह तथा पुलिस टीम के अन्य सदस्यों ने अंजाम दिया। मथुरा पुलिस ने बताया कि अपराधियों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।



विश्व जनसंख्या दिवस पखवाड़ा: गोंडा से उठा स्वस्थ भविष्य का संकल्प, 'इतनी भी क्या जल्दी है?' और 'देश बदलेगा जब मर्द बदलेगा' अभियान का भव्य शुभारंभ

डीएम प्रियंका निरंजन ने दिखाई जागरूकता वैन को हरी झंडी, 150 गांवों तक पहुंचेगा परिवार नियोजन और सुरक्षित मातृत्व का संदेश

स्वदेश प्रेम, रमजान अली। गोंडा विश्व जनसंख्या दिवस पखवाड़ा के अवसर पर जनपद गोंडा में परिवार नियोजन, सुरक्षित मातृत्व और स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया एवं मोबियस फाउंडेशन के सहयोग से संचालित 'उम्मीद परियोजना' के अंतर्गत डिस्ट्रिक्ट वर्किंग ग्रुप की बैठक का आयोजन जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा, पंचायती राज, महिला एवं बाल विकास, समाज कल्याण, ग्राम्य विकास तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन सहित

विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं विकास सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। बैठक के दौरान सामाजिक एवं व्यवहार परिवर्तन संचार (SBCC) अभियान 'इतनी भी क्या जल्दी है?' तथा पुरुषों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'देश बदलेगा जब मर्द बदलेगा' अभियान का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सही उम्र में विवाह, प्रथम गर्भधारण में उचित अंतराल, दो बच्चों के जन्म के बीच पर्याप्त समय रखने तथा आपातकालीन गर्भनिरोधक गोली के सही उपयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर आधारित जनजागरूकता पोस्टरों का विमोचन किया गया। साथ ही



परिवार नियोजन एवं मातृ स्वास्थ्य पर आधारित लघु फिल्मों और प्रेक जिंगल्स भी जारी किए गए। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने कहा कि परिवार नियोजन केवल जनसंख्या नियंत्रण का विषय नहीं, बल्कि स्वस्थ

परिवार, सुरक्षित मातृत्व और समृद्ध समाज की मजबूत नींव है। उन्होंने सभी विभागों से समन्वित प्रयासों के माध्यम से अभियान को जन-जन तक पहुंचाने और परिवार कल्याण संबंधी संदेशों का व्यापक प्रचार-

प्रसार सुनिश्चित करने का आह्वान किया। मुख्य विकास अधिकारी दयानंद प्रसाद ने कहा कि जनसंख्या स्थिरीकरण एवं परिवार कल्याण के लक्ष्य तभी सफल होंगे, जब सभी विभाग मिलकर ग्राम स्तर तक सही जानकारी, परामर्श और स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएँ। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने तीन चर्चानित विकास खंडों के 150 गांवों में जागरूकता फैलाने के लिए विशेष मोबाइल प्रचार-प्रसार वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जुलाई से सितंबर 2026 तक यह वैन गांव-गांव पहुंचकर परिवार नियोजन एवं मातृ स्वास्थ्य से जुड़ी लघु फिल्मों का प्रदर्शन, जिंगल्स का प्रसारण, सूचना

सामग्री का वितरण तथा सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करेगी। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संत लाल पटेल ने बताया कि अभियान के तहत तैयार जनसंचार सामग्री का व्यापक प्रचार सोशल मीडिया और मोबाइल वैन के माध्यम से किया जाएगा। आशा कार्यकर्ताओं के सहयोग से परिवार नियोजन साधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी तथा प्रशिक्षित काउंसलरों द्वारा पात्र लाभार्थियों को आवश्यक परामर्श सेवाएं प्रदान की जाएंगी। जनभागीदारी बढ़ाने के लिए फिल्म प्रदर्शन के दौरान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाएगा।

पेंशनरों को मिला भरोसे का मंच: मण्डलायुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल की पेंशन अदालत में गूंजा न्याय का संकल्प

स्वदेश प्रेम, रमजान अली गोण्डा। देवीपाटन मण्डल मुख्यालय स्थित महाराजा सुहेलदेव सभागार में मंगलवार को मण्डलायुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल की अध्यक्षता में आयोजित मण्डलीय पेंशन अदालत में सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं दिवंगत कर्मचारियों के आश्रितों को पेंशन संबंधी समस्याओं की गंभीरता से सुनवाई की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य पेंशनरों को एक ही मंच पर त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण न्याय उपलब्ध कराना रहा।



सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं दिवंगत शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए मण्डल स्तर पर लगातार प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने जानकारी दी कि 8 मई 2026 को श्रावस्ती में आयोजित कर्मचारी एवं पेंशनर जनसुनवाई के दौरान प्राप्त मामलों का सफल निस्तारण कराया गया। इसी क्रम में बेसिक शिक्षा विभाग के 17 सेवानिवृत्त शिक्षकों को वर्षों से लंबित सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) की 1 करोड़ 52 लाख 64 हजार रुपये की बकाया धनराशि का भुगतान सुनिश्चित कराया गया, जिससे उन्हें बड़ी राहत मिली। बैठक में मण्डलायुक्त ने अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिकायत को संबंधित पटल पर तीन

मण्डलायुक्त ने बताया कि पेंशन एवं

उपस्थित हुए। सभी ने अपनी समस्याओं के समाधान के लिए प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए। मण्डलायुक्त ने प्रत्येक प्रकरण की व्यक्तिगत रूप से सुनवाई करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष एवं शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन मामलों का तत्काल समाधान संभव है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किया जाए तथा जिन प्रकरणों में औपचारिक कार्रवाई अपेक्षित है, उन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा कर शिकायतकर्ताओं को इसकी जानकारी उपलब्ध कराई जाए। पेंशन अदालत में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे और आवश्यक अभिलेखों एवं तथ्यों के आधार पर मामलों की समीक्षा की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों को समयबद्ध, पारदर्शी और प्रभावी न्याय उपलब्ध कराना तथा शासन की जनहितकारी एवं संवेदनशील कार्यप्रणाली को और अधिक सशक्त बनाना रहा।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को सुरक्षा, आत्मरक्षा एवं साइबर जागरूकता का दिया संदेश

स्वदेश प्रेम / गिरिश कुमार मथुरा : उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मिशन शक्ति फेज-5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा के निर्देशन में थाना बलदेव पुलिस की मिशन शक्ति टीम द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा, आत्मरक्षा और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के दौरान पुलिस टीम ने महिलाओं और बालिकाओं को गुड टच-बैड टच, महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा के उपाय तथा महिला संबंधी अपराधों से बचाव के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही उन्हें बताया गया कि यदि बस, सड़क या किसी सार्वजनिक स्थान पर छेड़छाड़ अथवा उत्पीड़न की घटना होती है तो डरने के बजाय तत्काल 1090 वीमेन पावर लाइन या निकटतम पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाएँ। पुलिस टीम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे व्हाट्सएप, फेसबुक, एक्स (ट्विटर) और इंस्टाग्राम का सुरक्षित एवं जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग



करने की भी सलाह दी। इसके साथ ही महिलाओं एवं बालिकाओं को यातायात नियमों का पालन करने और अपने परिवार व आसपास के लोगों को भी जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी साझा की गई। इनमें 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वीमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 102 एवं

108 एम्बुलेंस सेवा, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 101 अग्निशमन सेवा तथा 1930 साइबर हेल्पलाइन शामिल हैं। थाना बलदेव पुलिस ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना, उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा किसी भी आपात स्थिति में पुलिस एवं हेल्पलाइन सेवाओं का निर्भीक होकर उपयोग करने के लिए प्रेरित करना है।



स्वदेश प्रेम / रमजान अली गोंडा, उत्तर प्रदेश गोंडा। जनसामान्य की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित जनता दर्शन एवं जनसुनवाई कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिकायतकर्ता अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने प्रत्येक शिकायत विभागों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने

कलेक्ट्रेट जनता दर्शन में सुनी गई फरियादियों की समस्याएं, अधिकारियों को समयबद्ध निस्तारण के निर्देश



के निर्देश दिए। जनता दर्शन में भूमि विवाद, राजस्व, विकास कार्यों, सामाजिक योजनाओं सहित विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। अधिकारियों ने सभी प्रकरणों का संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का निष्पक्ष, पारदर्शी एवं निर्धारित समय सीमा के भीतर समाधान किया जाए, ताकि आमजन को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना



पड़े। प्रशासन ने कहा कि जनता दर्शन का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए एक सुलभ मंच उपलब्ध कराना तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समय पर पात्र लोगों तक पहुंचाना है। साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और प्रत्येक मामले की निवारित समीक्षा की जाए।

2.90 करोड़ रुपये की सनसनीखेज चोरी का खुलासा, चार शांति चोर गिरफ्तार; 2.60 करोड़ की नकदी व संपत्ति बरामद

स्वदेश प्रेम / गिरिश कुमार मथुरा : मथुरा के थाना जैत पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए 2 करोड़ 90 लाख 10 हजार रुपये की सनसनीखेज चोरी का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने मामले में शामिल चार शांति आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 2 करोड़ 60 लाख 12 हजार रुपये मूल्य की नकदी एवं चोरी की रकम से खरीदी गई संपत्ति बरामद की है। घटना में प्रयुक्त टाटा पंच कार भी पुलिस ने जब्त कर ली है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में राजन (फरीदाबाद), आलोक (कृशीनगर), प्रेम सागर और हरिन (सूरत, गुजरात) शामिल हैं। इन सभी के विरुद्ध थाना जैत में दर्ज मुकदमा संख्या 446/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की



संबंधित धाराओं में कार्रवाई की जा रही है। ऐसे दिया वारदात को अंजाम पुलिस जांच में सामने आया कि गुजरात के गांधीनगर निवासी एक व्यक्ति धार्मिक आस्था के चलते वृंदावन के सुरक्षित क्षेत्र में रहने लगे थे। आरोपियों ने उनसे संपर्क कर उनकी आर्थिक स्थिति की जानकारी हासिल की और सुनियोजित साजिश के तहत घर

का ताला तोड़कर अलमारी से 2.90 करोड़ रुपये नकद चोरी कर लिए। वारदात के बाद आरोपियों ने शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी। भारी मात्रा में नकदी और लगजरी सामान बरामद पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 2 करोड़ रुपये नकद, Volkswagen Virtus कार, घटना में प्रयुक्त टाटा पंच कार, सोने-चांदी के आभूषण,

एप्पल, सैमसंग एवं वीवो के मोबाइल फोन, ब्रांडेड जूते, कपड़े, जिम एवं स्विमिंग किट सहित चोरी की रकम से खरीदी गई अन्य कीमती वस्तुएं बरामद की हैं। पुलिस टीम की मेहनत लार्ड रंग घटना के खुलासे के लिए थाना जैत पुलिस और सर्विलांस सेल की संयुक्त टीम का घटन किया गया था। लगातार तकनीकी एवं मानवीय साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी की बड़ी रकम और संपत्ति बरामद करने में सफलता हासिल की। मथुरा पुलिस ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ जारी है और मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने इसे जिले की हालिया बड़ी चोरी की घटनाओं में एक महत्वपूर्ण सफलता बताया है।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला थाना पुलिस ने महिलाओं को किया जागरूक

स्वदेश प्रेम / गिरिश कुमार मथुरा : उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मिशन शक्ति फेज-5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा के निर्देशन में महिला थाना पुलिस की मिशन शक्ति टीम द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस टीम ने महिलाओं और बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने



वीमेन पावर लाइन या निकटतम पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाकर कानूनी सहायता प्राप्त करें। पुलिस टीम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे व्हाट्सएप, फेसबुक, एक्स (ट्विटर) एवं इंस्टाग्राम का सुरक्षित और जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग करने की

सलाह देते हुए साइबर अपराधों से बचाव के उपाय भी बताए। साथ ही महिलाओं एवं बालिकाओं को यातायात नियमों का पालन करने तथा अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा

संचालित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी साझा की गई। इनमें 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वीमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 102 एवं 108 एम्बुलेंस सेवा, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 101 अग्निशमन सेवा तथा 1930 साइबर हेल्पलाइन शामिल हैं। महिला थाना पुलिस ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण प्रदान करना, उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना तथा किसी भी आपात स्थिति में बिना भय के पुलिस और हेल्पलाइन सेवाओं का उपयोग करने के लिए प्रेरित करना है।

मैं इंतजार करना पसंद करूंगी, लेकिन बिना जुड़ाव के किरदार नहीं

‘अनुपमा’ में राही कपाड़िया के किरदार से अभिनेत्री अद्रिजा रॉय ने घर-घर में पहचान बनाई है। इस बीच इंटरव्यू में अद्रिजा ने प्रोजेक्ट्स को चुनने और टीवी की दुनिया में आए बदलावों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वह वहीं किरदार निभाना पसंद करती है, जिससे उन्हें दिल से जुड़ाव महसूस होता है। वहीं उन्होंने आगे कहा कि अब महिलाओं के लिए लिखे जाने वाले किरदारों में काफी सुधार आया है और दर्शक भी महिला केंद्रित कहानियों को खुले दिल से स्वीकार कर रहे हैं। अद्रिजा रॉय ने कहा, ‘मुझे लगता है कि चीजें पहले से काफी बेहतर हुई हैं। अब महिलाओं को ‘याद अहमियत रखने वाले किरदार मिल रहे हैं। हालांकि अभी भी सुधार की गुंजाइश है, लेकिन अ’छी बात यह है कि दर्शक अब महिलाओं के नेतृत्व वाली कहानियों को स्वीकार कर रहे हैं। यह इंडस्ट्री के लिए एक सकारात्मक संकेत है।’

जब उनसे पूछा कि किसी एक किरदार की सफलता के बाद क्या कलाकार के एक जैसी भूमिकाओं में बंध जाने का खतरा बढ़ जाता है। इस पर उन्होंने कहा कि ऐसा होना स्वाभाविक है, क्योंकि जब कोई किरदार लोकप्रिय हो जाता है तो लोग उसी तरह के रोल में कलाकार को देखने लगते हैं। उन्होंने कहा, ‘जब कोई भूमिका लोकप्रिय हो जाती है तो लोग आपको उसी अंदाज में देखने लगते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि

आपने उस किरदार को अ’छी तरह निभाया है। मैं इसके लिए किसी को दोष नहीं देती। लेकिन एक कलाकार के तौर पर मैं हमेशा खुद को और दर्शकों को सरप्राइज करना चाहती हूँ। मैं एक ही तरह के किरदार बार-बार नहीं करना चाहती। मेरे लिए हर नया रोल कुछ नया सीखने का मौका होना चाहिए।’

अद्रिजा ने अपने करियर के फैसलों को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, ‘हर अभिनेता चाहता है कि उसके पास चुनने के लिए बहुत सारे विकल्प हों, लेकिन यह इंडस्ट्री हमेशा इस तरह काम नहीं करती। कई बार कोई अ’छा प्रोडक्शन हाउस आपको ऐसा किरदार देता है, जो शायद आपकी पहली पसंद न हो। ऐसे में पूरी तस्वीर देखनी चाहिए। कहानी क्या है, टीम कैसी है और किरदार शो में क्या योगदान दे रहा है, इन सभी चीजों को समझना जरूरी होता है। हर स्थिति में कोई एक सही या गलत जवाब नहीं होता। हर कलाकार को अपने हिसाब से फैसला लेना पड़ता है।’

बातचीत के दौरान अद्रिजा ने खुलासा किया कि उन्होंने अपने करियर में कुछ ऐसे प्रोजेक्ट्स को मना किया है, जिनसे वह खुद को जोड़ नहीं पाई।

उन्होंने कहा, ‘हां, मैंने कुछ प्रोजेक्ट्स के लिए मना किया है। ऐसा इसलिए नहीं था कि वे खराब थे, बल्कि इसलिए क्योंकि मैं उन किरदारों से जुड़ाव महसूस नहीं कर पाई। अगर मैं किसी भूमिका पर विश्वास नहीं करती हूँ, तो मेरे लिए उसके साथ न्याय करना मुश्किल हो जाता है। मैं इंतजार करना पसंद करूंगी, लेकिन ऐसा काम करना चाहती हूँ जो मुझे अंदर से उत्साहित करे।’



पंकज पाराशर की ओटीटी सीरीज को लेकर अभिनेत्री शीना चौहान ने की बात

निर्देशक पंकज पाराशर ने अपनी आगामी ओटीटी सीरीज में अभिनेत्री शीना चौहान की नकारात्मक भूमिका को लेकर बातचीत की। शीना को कास्ट करने को लेकर पंकज पाराशर ने आईएनएस से बातचीत करते हुए कहा, ‘मैं अपनी अगली ओटीटी सीरीज के लिए नेगेटिव लीड रोल में शीना को चुनकर खुश हूँ, क्योंकि उनमें इस किरदार के लिए जरूरी सभी खूबियाँ हैं, खासकर मार्शल आर्ट्स की उनकी ट्रेनिंग। एक एक्ट्रेस के तौर पर वह बहुत उत्साहित और कमिटेड भी हैं। अपने काम के प्रति उनका समर्पण बहुत पसंद है।’ नए प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए शीना चौहान ने कहा, ‘यह खबर मेरे जन्मदिन के आस-पास आई और इसने मेरे जन्मदिन को बहुत खास बना दिया। मैंने हमेशा पंकज सर और उनकी ओर से वर्षों से बनाए गए शानदार, यादगार महिला किरदारों की तारीफ की है। इसलिए, जब मैं उनसे मुंबई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में मिली और उन्होंने मेरे साथ इस प्रोजेक्ट के बारे में बात की, तो मैंने उनसे बात की। शीना चौहान ने कहा, ‘मुझे किरदारों और कहानियों को जीवंत करने से ज्यादा कुछ पसंद नहीं है। मैं हर रोल में अपना दिल

और जान लगा देती हूँ, इस उम्मीद के साथ कि मैं अपनी कहानियों के जरिए लोगों को प्रेरित और उत्साहित कर सकूंगी। एक्टिंग मुझे अपने असली मकसद को जीने का मौका देती है। यह मुझे अपनी थिएटर ट्रेनिंग, मार्शल आर्ट्स और फिटनेस का इस्तेमाल करके एक गहरे और दमदार किरदार को गढ़ने का मौका देती है। मैं इस सफर को शुरू करने के लिए सच में बहुत उत्साहित हूँ।’ सीक्रेट एजेंट्स पर आधारित आने वाली जासूसी सीरीज इस सितंबर में शुरू होने वाली है। शीना इसके बाद पैन-इंडिया साउथ फिल्म ‘जटास्य मरणं ध्रुवम्’ में जे. डी. चक्रवर्ती के साथ नजर आएंगी, जिसमें वह एक एक्शन-पैक्ड रोल में पुलिस अफसर की भूमिका निभा रही हैं। वह इस सीरीज में एक्शन सीन करती हुई भी नजर आएंगी। एक्ट्रेस के पास एक इंटरनेशनल वेब सीरीज भी है, इस साल उनकी लगभग पांच रिलीज लाइन में हैं।

रिद्धि डोगरा ने लोकल ट्रेनों में सफर के दिनों को याद किया

उन अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिन्हें सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी है। उन्होंने टीवी इंडस्ट्री में काम किया। अच्छी एक्टिंग की वजह से उन्हें शाहरुख खान जैसे बिग स्टार के साथ काम करने का मौका मिला। अभिनेत्री की खास बात यह है कि वह आज सफल हैं। लेकिन, उन्होंने अपने संघर्ष के दिनों को याद रखा है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए भीड़-भाड़ वाली लोकल ट्रेनों में सफर करने के दिनों को याद किया। उन्होंने उन मुश्किलों का जिक्र किया, जिनका उन्होंने सामना किया और उस दुर्द संकल्प के बारे में बताया, जिसने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में उनके रास्ते को आकार दिया। रिद्धि ने लिखा कि मुझे हमेशा से जुलाई का महीना पसंद रहा है। इन तस्वीरों ने जुलाई के पुराने दिनों की यादें ताजा कर दीं। जुलाई 2005 में मेरी मुंबई की कहानी शुरू हुई थी। कॉलेज से नई-नई निकली थी और बड़ी दुनिया में पढ़ने, घूमने-फिरने, जीने और सीखने के लिए उत्सुक थी। इसीलिए, मैंने मुंबई को चुना। यह एक ऐसा शहर है, जो अनजाने में मुझे लंबे समय से बुला रहा था। मुझे इस शहर की हलचल भरी जिंदगी और आकर्षण में सुकून मिलता है। रिद्धि डोगरा ने लिखा कि लोकल ट्रेनें मेरी सबसे पसंदीदा जगह बन गई थीं। 2005 से 2007 के बीच मैं एक ही दिन में कई तरह के वाहनों से सफर करती थी। पहले कॉलेज जाती, फिर अपनी सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की नौकरी पर जाती। मैं पूरा समय ट्रेन की खिड़की से बाहर देखते हुए और अपने भविष्य के सपनों के बारे में सोचते हुए मुस्कुराती रहती थी। मुझे पुरा यकीन था कि मेरा भविष्य बहुत शानदार होने वाला है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि मैं अपनी किस्मत की खुद मालिक थी। आज जिसे हम विजुअलाइजेशन और मैनिफेस्टेशन कहते हैं, वह मैं उन दिनों रोज करती थी। लोग उसे ‘दिन में सपना देkhना’ कहते थे। इस दौरान एक गाना मेरे आईफोन पर सबसे ज्यादा चलता था। रिद्धि डोगरा को असुर, ऑल्ट बालाजी की द मैरिड वुमन में आस्था, स्टार प्लस की मर्यादा: लेकिन कब तक? में प्रिया और वो अपना सा में निशा का किरदार निभाने के लिए पहचान मिली। वह नच बलिए 6 और फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 6 जैसे लोकप्रिय रियलिटी शो में भी नजर आ चुकी हैं। रिद्धि डोगरा द साबरमती रिपोर्ट, लकड़बग्घा, और जवान जैसी फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं।



इंडस्ट्री में उम्र बढ़ने के साथ कलाकारों को किस तरह नजरअंदाज किया जाता है

टीवी के लोकप्रिय अभिनेता राम कपूर ने अपने करियर में कई यादगार किरदार निभाए हैं और दर्शकों का भरपूर प्यार हासिल किया है। वह अवसर मनोरंजन जगत के उस सच पर खुलकर बात करते दिखते हैं, जिसके बारे में कलाकार बोलने से बचते नजर आते हैं। इस कड़ी में राम कपूर ने बताया कि इंडस्ट्री में उम्र बढ़ने के साथ कलाकारों को किस तरह नजरअंदाज किया जाता है। साथ ही बताया कि उनकी पत्नी और अभिनेत्री गौतमी कपूर भी इसी तरह के दौर से गुजर चुकी हैं।

राम कपूर ने यह खुलासा नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो ‘लॉक अप: सच या सजा’ के दौरान आकांक्षा चमोला से बातचीत में किया। दरअसल, शो में आकांक्षा चमोला ने राम कपूर से कहा कि वह जल्द ही अपने पति गौरव खन्ना से अलग रहकर अपनी नई शुरुआत करने वाली हैं। ऐसे में उन्हें अपना नया ठिकाना बनाना होगा और

करियर को भी नए सिरे से संभालना पड़ेगा। उन्होंने राम से कहा कि इस सफर में उन्हें उनकी मदद की जरूरत पड़ सकती है। आकांक्षा की बात सुनकर राम ने बिना किसी झिझक के उनका साथ देने का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर वह अपनी पूरी टीम को उनकी मदद के लिए लगा देंगे। बातचीत के दौरान आकांक्षा ने मनोरंजन इंडस्ट्री की एक बड़ी समस्या का जिक्र करते हुए कहा कि यहां कलाकारों की उम्र को लेकर बहुत जल्दी धारणा बना ली जाती है। जैसे ही कोई कलाकार 35 साल की उम्र पार करता है, उसे यह कहकर अलग कर दिया जाता है कि अब वह पहले जैसा नहीं रहा। इससे कलाकारों के लिए नए मौके कम होने लगते हैं और करियर पर असर पड़ता है।

आकांक्षा ने राम कपूर से बात करते हुए कहा, ‘आप जानते हैं कि लोग हमारी उम्र को अच्छी नजर से नहीं देखते। दुर्भाग्य से जैसे ही कोई कलाकार 35 साल का होता है, उसे यह कहकर अलग कर दिया जाता है कि वह अब बहुत उम्रदराज हो गया है। मुझे इस दुनिया की ज्यादा समझ नहीं है। मैं जितना कर सकती थी, उतना किया है। अब उम्मीद है कि आगे भी काम मिलता रहे,

ताकि मैं अपनी जिंदगी सुरक्षित बना सकूँ।’ आकांक्षा की बातें सुनकर राम कपूर ने कहा कि उनकी स्थिति उन्हें अपनी पत्नी गौतमी कपूर की याद दिलाती है। उन्होंने बताया कि गौतमी भी अपने करियर में ऐसे ही दौर से गुजरी हैं और वह इस दर्द को अच्छी तरह समझते हैं।

राम ने कहा, ‘गौतमी और मैंने भी उम्र का भेदभाव झेला है। शुरुआत में गौतमी भी इसी तरह की परिस्थितियों से गुजरी थीं। मैं इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता, लेकिन जो दौर तुम झेल रही हो, उससे गौतमी भी गुजर चुकी हैं। वह मेरी पत्नी हैं, मेरी दुनिया हैं, मेरा प्यार हैं। इसलिए मैं समझ सकता हूँ कि तुम किस स्थिति में हो। मैं तुम्हारे लिए जितना संभव होगा, उतनी मदद करूंगा।’ बता दें कि नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो ‘लॉक अप: सच या सजा’ को फराह खान और रितेश देशमुख होस्ट कर रहे हैं। शो में आकांक्षा चौधरी, योगेश रावत, सुनीता आहुजा, श्रेया कालरा, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सुष्मा मोतीवाला, धीरज धूपर, माधुरी जैन ग़ोवर, रियाज अली और वरुण यादव उर्फ लैला जैसे कई चर्चित चेहरे भी शामिल हैं।



मुंबई और लॉस एंजिल्स के बीच के सफर ने मुझे एक बड़ा सबक दिया है

सुपरहिट फिल्म ‘कुछ कुछ होता है’ में शाहरुख खान की बेटी ‘अंजलि’ का किरदार निभाकर लोगों के दिलों में जगह बनाने वाली अभिनेत्री सना सईद ने सोशल मीडिया पर अपना एक अनुभव साझा किया। दरअसल, उन्होंने विदेश में रहने के दौरान भाषा, उच्चारण और संवाद से जुड़ी कठिनाइयों के बारे में खुलकर बात की। सना सईद आज लॉस एंजिल्स में रहती हैं और अपने करियर और जीवन को नए तरीके से आगे बढ़ा रही हैं। उन्होंने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपने अमेरिका पहुंचने के शुरुआती दिनों का एक दिलचस्प अनुभव बताया। सना ने बताया, ‘साल 2016 में मैं पहली बार पढ़ाई के लिए लॉस एंजिल्स आई थी। इस दौरान मुझे रोजमर्रा की छोटी-छोटी बातों में भी काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। मुझे याद है कि एक बार मैं एक रेस्तरां में गई थी और वहां पानी पीना चाहती थी लेकिन मेरा उच्चारण वहां के लोगों को ठीक से समझ नहीं आया। मैंने कई बार ‘वॉटर’ कहा, लेकिन रेस्तरां वाला अलग-अलग चीज समझता रहा और यहां तक कि ‘सोडा’ या ‘कोक’ तक ओंफर करने लगा।’

उन्होंने आगे कहा, ‘उस दिन मुझे एहसास हुआ कि अगर मुझे अमेरिका में लंबे समय तक रहना है, तो मुझे अपने बातचीत करने के तरीके पर काम करना होगा, क्योंकि सुना जाना सबसे जरूरी है। इसके बाद मैंने अपने उच्चारण और बोलने के तरीके पर ध्यान देना शुरू किया और इसके लिए

ट्रेनिंग भी ली।’ सना ने बताया कि यह प्रक्रिया आसान नहीं थी। किसी नए देश में जाकर वहां की भाषा के अनुसार खुद को ढालना बिल्कुल एक नई भाषा सीखने जैसा होता है। इसमें समय, मेहनत और लगातार अभ्यास की जरूरत होती है। उन्होंने कहा, ‘कई लोग सोचते हैं कि उच्चारण बदलना बहुत आसान है, लेकिन असल में इसके पीछे बहुत मेहनत और आत्मविश्वास की जरूरत होती है।’ उन्होंने कहा, ‘मुझे इस बात से परेशानी होती है कि लोग अक्सर किसी के उच्चारण का मजाक उड़ाते हैं या उसे गलत समझते हैं। हर व्यक्ति का बोलने का अपना तरीका होता है, जो उसकी संस्कृति और पृष्ठभूमि से जुड़ा होता है। इसलिए किसी के उच्चारण को लेकर नकारात्मक टिप्पणी करना सही नहीं है।’ सना ने अपने वीडियो में कहा, ‘मेरे लिए संवाद करना सिर्फ बोलना नहीं है, बल्कि अपने विचारों को सही तरीके से दूसरों तक पहुंचाना है। अभिनय के क्षेत्र में काम करने वाले कलाकारों के लिए यह और भी जरूरी हो जाता है, क्योंकि उनकी आवाज और संवाद ही उनका सबसे बड़ा साधन होता है।’ अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में सना ने लिखा, ‘मेरा एक्सेंट अभी भी पूरी तरह परफेक्ट नहीं है लेकिन मुंबई और लॉस एंजिल्स के बीच के इस सफर ने मुझे एक बड़ा सबक दिया है। किसी भी भाषा या उच्चारण को लेकर शर्म महसूस करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि हर व्यक्ति अपनी तरह से बोलता है और यह पूरी तरह सामान्य है।

संपादकीय

बुढ़ा बच्चा और जवान सभी के लिए साइकिल है मजेदार

साइकिल एक ऐसा दुपहिया है जिस स्त्री हो या पुरुष बच्चा, जवान या बुढ़ा व्यक्ति सभी चला सकते है। हर साल पुरे विश्व में 3 जून को साइकिल दिवस मनाया जाता है। यूनाइटेड नेशंस इसकी शुरुआत 2018 से की थी। आजकल की साइकिल में आपको लाइट, गियर और मोटे व बड़े टायरो की सुविधा भी मिल जाती है जो इसे पहले की साइकिल से अधिक बेहतर बनाती है। साइकिल मेरा सबसे पसंदीदा वाहन है। यह मुझे दोस्तों से मिलने और पार्क में खेलने के लिए मदद करती है। मेरी साइकिल लाल रंग की है और इसमें तीन गियर हैं, जिससे चलाना आसान होता है।साइकिल चलाना न केवल मजेदार होता है, बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इससे शरीर मजबूत होता है और हम तंदुरुस्त रहते हैं। मैं रोज सुबह साइकिल चलाकर अपने दिन की शुरुआत करता हूँ।मेरी साइकिल की देखभाल मैं खुद करता हूँ। मैं समय-समय पर उसकी हवा चेक करता हूँ और उसे साफ रखता हूँ। मेरी साइकिल मेरे लिए सिर्फ एक वाहन नहीं, बल्कि मेरे बचपन की यादों का हिस्सा भी है। पैडल साइकिल के पायनियर मैनुफैक्चरर के तौर पर मिचौक्स की भूमिका ओलिवियर भाइयों, रेने और एमे के साथ जुड़ी हुई है। 1865 में इन दो अमीर नौजवानों ने पेरिस से मॉर्सिले तक 800 ' (500 मील) से ज्यादा वेलोसिपेड चलाई, और नए खेल के लिए उनके बाद के जोश ने इसे युवा, फिट और अमीर लोगों के लिए दुनिया भर में क्रेज बनने में मदद की। भाइयों ने मिचौक्स में 69 परसेंट इक्विटी के लिए 50,000 फ्रैंक दिए, जो बाद में एक बहुत बड़ी फैक्ट्री में चला गया। पहले मॉडल में सर्पिन के आकार का लचीला लोहे का फ्रेम था। इसके तुरंत बाद फर्म ने रॉट आवरन से बने डायगोनल फ्रेम पर स्विच किया, जो जल्द ही इंडस्ट्री का स्टैंडर्ड बन गया। पेरिस एक्सपोज़िशन के साल 1867 में सीरियस प्रोडक्शन शुरू हुआ। कई विजिटर्स ने सड़कों पर वेलोसिपेड देखे, पॉपुलैरिटी फैली; और बनाने वालों की संख्या कई गुना बढ़ गई। 1868 की पतझड़ तक, नया वेलोसिपेड पूरे फ्रांस में एक जाना-पहचाना नज़ारा बन गया था, और काफी ज्यादा कीमतों के बावजूद बिक्री नई ऊंचाइयों पर पहुंच गई। 1869 में ओलिवियर्स ने मिचौक्स एट सी का पूरा कंट्रोल अपने हाथ में ले लिया और नाम बदलकर काम्पैनी पेरिसिएन डेस वेलोसिपेड्स कर दिया। प्रोडक्शन हर महीने लगभग 200 वेलोसिपेड तक पहुंच गया। उस समय तक 100 से ज्यादा फ्रेंच कंपनियां वेलोसिपेड बना रही थीं। 1869 में बॉल बेयरिंग और टेंशन-स्प्रोक वाले पहियों का आविष्कार हुआ, और प्रोव्हील (जो कोरिस्टिंग की इजाजत देता है) का पेटेंट कराया गया। लकड़ी के स्प्रोक वाले पहियों और लोहे के रिम की हार्ड राइड की वजह से शुरूआती वेलोसिपेड को हूबोनेशेकरह्व का नाम मिला, लेकिन ठोस रबर के टायर और तार के स्प्रोक वाले पहियों ने राइड को आसान बनाने में मदद की। 1870 में, जेसे ही बोनशेकर हूआईर्नरीह्व नाम की एक प्रैक्टिकल साइकिल बन रही थी, फ्रैंको-जर्मन युद्ध ने फ्रेंच इंडस्ट्री को पीछे धकेल दिया। साइकिल मैनुफैक्चरिंग बच गई, लेकिन इसके बाद के ज्यादातर डेवलपमेंट ब्रिटेन में हुए। पिछले पहिये को बहुत छोटे फार्थिंग (क्वार्टर-पेनी) से जोड़ा जाता था। ऑर्डिनीरी का वजन आम तौर पर लगभग 40 पाउंड (18 ") होता था, लेकिन ट्रैक-रेसिंग मॉडल का वजन 16 पाउंड (7 ") जितना कम हो सकता था। शुरूआती सुरक्षा साइकिलों में ठोस रबर के टायर होते थे। 1888 में बेल्फास्ट में रहने वाले स्कॉटिश जानवरों के डॉक्टर जॉन बॉयड डनलप ने न्यूमेटिक टायर इंट्रोड्यूस किए। इनसे रोलिंग रेजिस्टेंस बहुत कम होने के साथ ज्यादा आरामदायक राइड मिलती थी। 1893 तक लगभग सभी नई साइकिलों में न्यूमेटिक टायर थे, जिससे उनकी पॉपुलैरिटी बहुत बढ़ गई। न्यूमेटिक टायर और टेंशन-स्प्रोक वाले पहिये ने क़्रैंक और पैडल जितना ही काम किया, जिससे साइकिल घोड़े के एक बड़े विकल्प के तौर पर स्थापित हुई। 1890 के दशक में डायमंड-पैटर्न फ्रेम, न्यूमेटिक टायर, चैन ड्राइव और ब्रेक वाली प्रैक्टिकल साइकिलों का बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन हुआ। 1890 के दशक के आखिर तक ज्यादातर साइकिलों का वजन सिर्फ.25 से 35 पाउंड (11 से 16 ") था। स्टैंडर्ड डिजाइन ने ब्रिटेन, यूनाइटेड स्टेट्स और यूरोप में साइकिल की धूम मचा दी और सैकड़ों बनाने वाले बन गए। 1895 में ब्रिटेन में 800,000 से ज्यादा साइकिलें बनीं।



योगेश कुमार गोयल

रोजगार नहीं, अवसर सृजन की शक्ति है कौशल... तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण तथा स्थानीय व वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के लिए प्रासंगिक अन्य कौशल्लों के विकास के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 15 जुलाई को 'विश्व युवा कौशल दिवस' मनाया जाता है। चूंकि यह दिन विश्वभर के युवाओं को रोजगार, काम और एंटरप्रेनोयर बनने के लिए जरूरी स्किल्स से लैस बनाने के लिए समर्पित है, इसीलिए यह दिवस मनाए जाने का काफी महत्व है। दरअसल पूरी दुनिया आज कई गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है, जिनमें से कई चुनौतियां खासकर युवा वर्ग को बहुत प्रभावित करती हैं। यह दिवस युवाओं और 'तकनीकी, व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण' (टीवीईटी) संस्थानों, फर्मों, नियोक्ताओं, श्रमिक संगठनों, नीति निमाताओं तथा विकास भागीदारों के बीच संवाद का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। यह दिन लैंगिक असमानता को समाप्त करने तथा कमजोर लोगों तक संसाधनों की पहुंच सुनिश्चित करने को बढ़ावा देने के लिए भी खास माना जाता है। विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक पूरी दुनिया में 200 मिलियन से भी ज्यादा युवा या तो बेरोजगार हैं या उनके पास नौकरी तो है लेकिन वे गरीबी में जी रहे हैं। केवल 1997 और 2017 के बीच ही युवा आबादी में 139 मिलियन की वृद्धि हुई, वहीं युवा श्रम बल में 58.7 मिलियन की कमी आई। कोरोना काल के बाद तो युवा श्रम बल को लेकर स्थिति काफी बदतर हुई। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार उभरती और विकासशील

अर्थव्यवस्थाओं में पांच में से दो युवा श्रमिक प्रतिदिन 3.1 अमेरिकी डॉलर से भी कम पर जीवनयापन करते हैं और वैश्विक स्तर पर 4 में से 3 युवा कर्मचारी अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में कार्यरत हैं, जो सभ्य काम नहीं है। वैश्विक स्तर पर अधिकांश युवा अभी भी स्थिर या संतोषजनक नौकरी पाने के लिए औसतन 13.8 महीने तक प्रतीक्षा करते हैं; जो शिक्षा से नौकरी में एक कठिन संक्रमण को दर्शाता है। चूंकि पूरी दुनिया में युवा बेरोजगारों बहुत बड़ी फौज है, इसलिए उनके लिए आने वाली चुनौतियों का सफलतापूर्वक प्रबंधन करने के कौशल से लैस होना और भविष्य में होने वाली बाधाओं को झेलने के लिए लचीलापन होना आवश्यक है। वैश्विक स्तर पर बढ़ती युवा बेरोजगारी आज की अर्थव्यवस्थाओं और समाजों के सामने विकसित और विकासशील देशों के लिए सबसे बड़ी समस्या है। इसीलिए विश्व युवा कौशल दिवस का मुख्य उद्देश्य बेरोजगारी और अल्प-रोजगार की चुनौतियों के संदर्भ में आज के युवाओं के लिए बेहतर सामाजिक-आर्थिक स्थिति प्राप्त करना है। युवाओं को रोजगार, अच्छे कार्य और उद्यमिता के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करने के रणनीतिक महत्व को स्वीकार करने और साथ ही वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने तथा सतत विकास को आगे बढ़ाने के लिए ही संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 15 जुलाई 2014 को विश्व युवा कौशल दिवस मनाने की घोषणा की थी, तभी से यह दिवस 15 जुलाई को एक खास विषय के साथ मनाया जा रहा है। इस वर्ष इस दिवस के लिए 'साझा भविष्य के लिए कौशल' विषय निर्धारित किया गया है, जो इस विचार को रेखांकित करता है कि भविष्य केवल तकनीकी दक्षता से नहीं बल्कि ऐसे संतुलित कौशल्लों से निर्मित होगा, जिनमें डिजिटल साक्षरता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित तकनीक, सामाजिक-भावनात्मक समझ, सहयोग, नवाचार और जिम्मेदार नागरिकता का समावेश हो। भारत में 2015 में इसी दिन यानी 15 जुलाई को ही कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए 'प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना' (पीएमकेवीवाई) की शुरुआत की गई थी। इसके तहत युवाओं को मुफ्त में लघु अवधि का औद्योगिक कौशल प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे रोजगार प्राप्त कर सकें। 14 से 35 वर्ष के

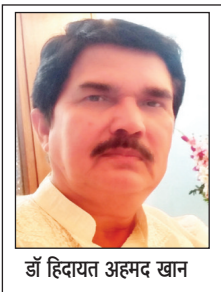
युवा इस मिशन के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। प्रशिक्षण के लिए तीन महीने, छह महीने या एक वर्ष के लिए रजिस्ट्रेशन कराना होता है। कोर्स पूरा करने के पश्चात प्रमाणपत्र दिया जाता है, जो देशभर में मान्य है और इस कौशल प्रमाणपत्र के आधार पर आसानी से रोजगार प्राप्त किया जा सकता है। चूंकि युवा वर्ग समाज में अधिक न्यायसंगत, समान और प्रगतिशील अवसरों तथा समाधानों की मांग कर रहा है, इसलिए युवाओं के समझ आने वाली शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और लैंगिक समानता तक पहुंच जैसी बहुमुखी चुनौतियों का समाधान करने की आवश्यकता पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई है और इसके लिए युवाओं को कौशल प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें अपने कार्य वातावरण में अधिक रोजगार योग्य तथा अधिक उत्पादक बनाने के लिए गंभीर पहल किए जाने की भी जरूरत है।

भारत में केंद्र सरकार की ऐसी ही महत्वपूर्ण पहल है 'कौशल भारत', जिसके जरिये सफल होने के लिए युवाओं को आवश्यक कौशल से लैस करने के प्रयास किए जाते हैं। 'स्किलिंग इंडिया' के तहत 'कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय' भारतीयों में ऐसे कौशल विकसित करने की पहल और योजनाओं पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिससे वे राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान बढ़ा सकें। दरअसल युवा राष्ट्र निर्माण और छवि निर्माण दोनों में ही सबसे बड़े हितधारक हैं, इसलिए उनके उच्चल भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए युवाओं को कौशल प्रदान करने तथा देश और दुनिया को एक बड़ा कुशल कार्यबल प्रदान करने पर सरकार का फोकस है। युवाओं के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं में 'नेशनल अप्रेंट्सशिप प्रोमोशन स्क्रीन', युवाओं को स्टार्टअप शुरू करने, नवविचार को प्रोमोट करने, देश में स्टार्टअप कल्चर को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'स्टार्टअप इंडिया', बेरोजगार युवाओं और महिलाओं को नया कारोबार शुरू करने के लिए लोन उपलब्ध करवाने हेतु 'पीएम रोजगार योजना' इत्यादि विभिन्न योजनाएं भी शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक हिंसक संघर्ष शिक्षा और स्थिरता को बाधित करते हैं, ऑनलाइन वातावरण में नकारात्मकता को बढ़ावा देने वाला ध्रुवीकृत वातावरण और लगातार आर्थिक असमानता अवसरों को सीमित



करती है। ये मुद्दे न केवल व्यक्तिगत भविष्य बल्कि समाज की समग्र स्थिरता को भी खतरों में डालते हैं। शांति की संस्कृति को बढ़ावा देने, जिम्मेदार वैश्विक नागरिकों का पोषण करने और सभी के लिए अधिक न्यायपूर्ण, समावेशी और टिकाऊ भविष्य बनाने के लिए सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए युवाओं को आवश्यक कौशल से लैस करना महत्वपूर्ण है। विश्व युवा कौशल दिवस युवाओं की क्षमता को पहचानने, उन्हें चुनौतियों का सामना करने तथा शांतिपूर्ण, समृद्ध और टिकाऊ भविष्य में योगदान देने के लिए कौशल और अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्धता पर जोर देता है। दरअसल तीव्र गति से विकसित होती प्रौद्योगिकी और नौकरी बाजार की निरंतर विकसित होती प्रकृति को देखते हुए युवाओं को अनुकूलनीय और बहुमुखी कौशल सेट के साथ सशक्त बनाना बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटीोनियो गुतेर्रेस का कहना है कि न केवल आज बल्कि हर दिन शिक्षा को बदलने के लिए काम करते हुए यह सुनिश्चित करने की भी प्रयास होने चाहिए कि युवाओं के पास वह सब कुछ हो, जो उनके लिए अधिक शांतिपूर्ण, टिकाऊ भविष्य को आकार देने और उनके कौशल को विकसित करने के लिए आवश्यक है। अब चूंकि विभिन्न उद्योगों में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस तकनीकों का तेजी से उपयोग कार्य के परिदृश्य को बदल रहा है, इसलिए भविष्य की नौकरियों के लिए युवाओं को तैयार करने हेतु उन्हें आवश्यक एआई कौशल से लैस करना बेहद महत्वपूर्ण हो गया है।

दुनिया को असुरक्षित महसूस कराती ट्रंप की युद्धनीति



डॉ हदियात अहमद खान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुद की हत्या किए जाने की आशंका जताकर पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। दरअसल ट्रंप का यूं स्वयं की हत्या की आशंका जताना केवल एक व्यक्तिगत सुरक्षा संबंधी बयान नहीं है, बल्कि उस व्यापक भू-राजनीतिक संकट का संकेत भी है, जिसकी आहट आज पूरी दुनिया महसूस कर रही है। जब किसी महाशक्ति का सर्वोच्च नेता सार्वजनिक रूप से अपनी सुरक्षा पर खतरों की बात करता है और साथ ही किसी देश को पूरी तरह समाप्त कर देने जैसी चेतावनी देता है, तब वह केवल राजनीतिक बयानबाजी नहीं रह जाती, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्थिरता के लिए गंभीर चिंता का विषय बन जाती है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने राजनीतिक जीवन में स्वयं को अक्सर एक ऐसे नेता के रूप में प्रस्तुत किया है, जो दुनिया में शांति स्थापित करना चाहता है। उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त कराने, भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव कम कराने और पश्चिम एशिया में स्थिरता लाने जैसे काम भी किए हैं। हालांकि,

व्यवहारिक राजनीति में उनके कई फैसले इसके विपरीत दिखाई देते हैं। ईरान के विरुद्ध सैन्य कार्रवाई, आर्थिक प्रतिबंधों का विस्तार और लगातार कठोर बयान यह संकेत देते हैं कि उनकी विदेश नीति में कूटनीति की तुलना में शक्ति प्रदर्शन को अधिक महत्व दिया जा रहा है। यही नहीं शक्तिशाली देश को कमजोर करने या उसकी कमजोरी उजागर कर पड़ोसी दुश्मन देश को उसके खिलाफ भड़काने का काम भी बहुतायत में हुआ है। ईरान के मामले में ऑकलन गलत साबित हुआ है, इस कारण इजराइल चुप हो गया और अब अमेरिका खुद को इस चक्रव्यूह से निकालने की कोशिश में सब गंवाते चले जा रहे हैं। वर्तमान परिस्थितियां बता रही हैं कि अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ता सैन्य तनाव केवल दो-तीन देशों का विवाद नहीं रह गया है। इसका सीधा प्रभाव पूरे पश्चिम एशिया, वैश्विक ऊर्जा बाजार, समुद्री व्यापार और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था पर पड़ रहा है। इन हमलों में अन्य देशों के नागरिक भी अपनी जान गंवा रहे हैं। कुल मिलाकर जान-माल का ख़ासा नुक़सान हो रहा है। होमरुंज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है, जहां से बड़े स्तर पर वैश्विक तेल आपूर्ति की जाती है। यदि यहां सैन्य टकराव बढ़ता है तो इसका असर तेल की कीमतों से लेकर वैश्विक अर्थव्यवस्था तक दिखाई देगा। ट्रंप का यह कहना कि यदि उनकी हत्या होती है तो ईरान को अभूतपूर्व सैन्य जवाब दिया जाएगा, राजनीतिक दृष्टि से भले ही समर्थकों को संदिग्ध देने का प्रयास हो, लेकिन संवैधानिक और संस्थागत दृष्टि से यह उतना सलाह नहीं

है। अमेरिकी लोकातांत्रिक व्यवस्था में राष्ट्रपति की अनुपस्थिति की स्थिति के लिए स्पष्ट संवैधानिक प्रावधान मौजूद हैं। किसी भी सैन्य कार्रवाई का निर्णय तत्कालीन राष्ट्रपति और संस्थागत प्रक्रिया के माध्यम से ही लिया जाता है। इसलिए व्यक्तिगत चेतावनी और संवैधानिक वास्तविकता में स्पष्ट अंतर है। इसे ट्रंप भी समझ रहे हैं, इसलिए आगे वो कहते सुने जाते हैं कि उनको हत्या का बदला वर्तमान उपराष्ट्रपति वेंस लेगे, क्योंकि तब वो राष्ट्रपति होंगे। दूसरी ओर, ईरान भी लगातार अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन कर रहा है और अमेरिका तथा इजराइल के विरुद्ध कड़े बयान दे रहा है। दोनों पक्षों की ओर से आक्रामक भाषा और सैन्य गतिविधियों का विस्तार इस आशंका को बढ़ाता है कि यदि किसी भी स्तर पर गलत आकलन या छोटी सी चूक हुई, तो उसका परिणाम व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष के रूप में सामने आ सकता है। इतिहास गवाह है कि अनेक बड़े युद्ध ऐसी ही परिस्थितियों में शुरू हुए, जब कूटनीतिक संवाद की जगह सैन्य शक्ति का प्रदर्शन हावी हो गया। इस पूरे घटनाक्रम में एक महत्वपूर्ण पहलू राजनीतिक मनोविज्ञान का भी है। किसी नेता द्वारा स्वयं पर हमलों की आशंका सार्वजनिक करना कई बार सुरक्षा संबंधी वास्तविक चिंताओं का परिणाम हो सकता है, तो कई बार यह अपने समर्थकों को संगठित करने और कठोर नीतियों को उचित ठहराने का राजनीतिक माध्यम भी बनता है। इसलिए ऐसे बयानों का मूल्यांकन तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर ही किया जाना चाहिए, न कि केवल राजनीतिक भावनाओं के आधार पर। आज दुनिया पहले से ही रूस-यूक्रेन युद्ध, गाजा संकट,



पाकिस्तान-अफगानिस्तान, सीरिया संकट और विभिन्न क्षेत्रीय संघर्षों से जुड़ा रही है। ऐसे समय में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता टकराव वैश्विक शांति के लिए नई चुनौती बन सकता है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव द्वारा संयम और संवाद की अपील इसी कारण महत्वपूर्ण है। किसी भी युद्ध का अंत अंततः बातचीत की मेज पर ही होता है, लेकिन तब तक उसकी कीमत हजारों जानें, आर्थिक तबाही और वर्षों की अस्थिरता के रूप में चुकानी पड़ती है। महाशक्तियों की जिम्मेदारी केवल अपनी सैन्य क्षमता बढ़ाना और दिखाना नहीं, बल्कि वैश्विक शांति बनाए रखना भी है। युद्ध की भाषा अल्पकालिक राजनीतिक लाभ दे सकती है, किंतु स्थायी समाधान केवल कूटनीति, विश्वास निर्माण और संवाद से ही संभव है। वर्तमान परिस्थितियों में यही वह रास्ता है, जो अमेरिका, ईरान और पूरी दुनिया को एक बड़े संकट से बचा सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी को मिले पुरस्कारों पर गार्जियन की हताशा



योगेन्द्र योगी

भारतीय नौसेना ने हालिया समुद्री सुरक्षा अभियानों (मुख्य रूप से अरब सागर और अदन की खाड़ी) में 520 से अधिक लोगों की जान बचाई है और ईरान, लाइबेरिया, माल्टा, और सेंट व्हिसेंट एंड द ग्रेनाडाइन्स जैसे विभिन्न देशों के झंडे वाले जहाजों को समुद्री लुटेरों से सुरक्षित मुक्त कराया है।

गार्जियन अखबार ने मोदी और भारत की छवि धूमिल करने के लिए एक अंग्रेजी में एक लेख लिखा। जिसका सारांश यह है कि कोई झूठे भी पुरस्कार देने के लिए बुलाए तो प्रधानमंत्री मोदी दौड़े दौड़े चले जाते हैं। मतलब यह अखबार कहना चाह रहा कि मोदी पुरस्कार के भूखे हैं, साथ ही यह भी जताने की कोशिश कर रहा है, जिन देशों ने मोदी को उनकी विदेश यात्रा के दौरान पुरस्कार दिए, उनकी कोई प्रतिष्ठा नहीं है। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी को इन देशों ने फिजुल में पुरस्कार दिए हैं। गार्जियन ने यह लेख लिख कर मोदी सहित भारत का तो अपमान किया ही है, साथ मोदी को पुरस्कार देने वाले उन देशों के नागरिकों, पुरस्कारों और उन देशों के राष्ट्रप्रमुखों का भी अपमान किया है। इस लेख की भड़ास के बावजूद पीएम मोदी को पुरस्कारों का सिलसिला थम नहीं रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इंडोनेशिया के सर्वोच्च सम्मान हर्बितांग आदिपूर्णा ऑफ द रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशियाह्व मेडल ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। यह सम्मान पीएम मोदी की इंडोनेशिया यात्रा के दौरान राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने प्रदान किया। वर्ष 2016 से अब तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एशिया, यूरोप, अफ्रीका और अमेरिका के देशों से ऐसे 34 सम्मान मिल चुके हैं। यह किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री को मिले सम्मानों में सबसे अधिक हैं। इनमें से कुछ सम्मान सदियों पुराने हैं, जबकि कुछ सम्मान संबंधित देशों की सम्मान प्रणाली में हाल ही में शामिल किए गए हैं। गार्जियन का यह लेख और भावनाओं की हताशा का कुत्सित प्रयास है। विश्व का बड़ा और प्रभावशाली शायद ही कोई देश बचा होगा जिसके प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति ने मोदी और भारत की तारीफ नहीं की होगी। दरअसल यह तारीफ पाश्चात्य मीडिया पचा नहीं पा रहा है, पचा इसलिए भी नहीं पा रहा है कि भारत न सिर्फ घरेलू स्तर पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी तरक्की के झंडे गढ़ रहा है। चंद्रयान और मंगलयान मिशन की कामयाबी इसके बड़े उदाहरण हैं। जो विकसित देश भी हासिल नहीं कर सके। यह अखबार यह भी भूल गया कि जब कोरोना काल में पूरी दुनिया में हाहाकार मचा हुआ था, तब भारत ने ही कोरोना वैक्सीन दर्जनों देशों की निशुल्क भेज कर करोड़ों लोगों की जाने बचाने का काम किया था।



क्या ऐसे परोपकारी कार्यों के लिए उन्हें विदेशी पुरस्कार नहीं दिया जा सकता। गार्जियन ने इसका जिक्र कभी नहीं किया कि विश्व को मोदी नेतृत्व में भारत ने क्या-क्या दिया है। भारत की युनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस जैसी सस्ती और सुलभ डिजिटल पेमेंट प्रणाली पोपल, भूटान, सिंगापुर, यूएई और मॉरीशस ने अपना लिया है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भारत की प्राचीन धरोहर योग को मोदी सरकार के प्रयासों से वैश्विक मान्यता मिली ?संयुक्त राष्ट्र द्वारा हर वर्ष 21 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' के रूप में मनाया जाता है। मोदी सरकार के प्रयासों से ही अफ्रीकी संघ को जी-20 का स्थायी सदस्य बनाया गया। भारत ने प्राकृतिक आपदा के दौरान विश्व के देशों के साथ कंधे से कंधा मिला कर खड़ा रहा है। तुर्किये और सीरिया में आए भूकंप के दौरान'मिशन सागर'और'ऑपरेशन दोस्त'के जरिए विश्व स्तर पर मानवीय सहायता पहुंचाई गई। वेनेजुएला में विनाशकारी भूकंप के बाद ऑपरेशन अमिस्ताद के तहत बचाव दल और पोर्टेबल अस्पताल भेजे गए। म्यांमार में ऑपरेशन ब्रह्मा (2025) और ऑपरेशन सहायता (2008) के तहत भूकंप व चक्रवात के दौरान भारी राहत सामग्री व चिकित्सा सुविधाएँ दी गईं। श्रीलंका में सुनामी (2004) में ऑपरेशन रेनबो और चक्रवात

(2025) में ऑपरेशन सागर बंधु के माध्यम से सहायता प्रदान की गई। भारतीय नौसेना ने हालिया समुद्री सुरक्षा अभियानों (मुख्य रूप से अरब सागर और अदन की खाड़ी) में 520 से अधिक लोगों की जान बचाई है और ईरान, लाइबेरिया, माल्टा, और सेंट व्हिसेंट एंड द ग्रेनाडाइन्स जैसे विभिन्न देशों के झंडे वाले जहाजों को समुद्री लुटेरों से सुरक्षित मुक्त कराया है। इन अभियानों की सबसे बड़ी खासियत यह रही है कि नौसेना ने बिना किसी राष्ट्रीय भेदभाव के, पाकिस्तानी और ईरानी नागरिकों सहित कई देशों के नाविकों की भी बचाया है। गार्जियन खासकर विदेशी मीडिया को कथित मानवाधिकारों के उल्लंघन पर भारी परेशानी है। भारत में उन्हें यह उल्लंघन नजर आता है। अंग्रेजों ने भारत पर 200 साल राज किया। अंग्रेज शासकों ने इस अवधि में भारतीयों पर अत्याचारों के सारे रिकार्ड तोड़ दिए। अंग्रेज व्यापारी बन कर आए और तानाशाह बन बैठे, खूब लूट लूटखोटी की और भारत से सारा मालमत्ता समेट कर चंपत हो गए। आज भी कोहिनूर का हीरा इन्हीं अंग्रेजों के पास है, जो यह बताता है कि किस तरह इन्होंने भारत में लूटपाट मचाई थी। ऐसे मानवाधिकारों के उल्लंघन गार्जियन जैसे अखबारों को दिखाई नहीं देते। मानवाधिकारों के इन विदेशी पैरोकारों को

जलियांवाला बाग दिखाई नहीं देता, जहां निहत्थे प्रदर्शकारियों को चारों तरफ से घेर कर एक अंग्रेज अधिकारी डायर ने गोलीयों से भून डाला था। गार्जियन को यह कभी दिखाई नहीं दिया कि किस तरह केंद्र सरकार ने मुसलमानों की भलाई का एक ऐतिहासिक काम किया, जिसे करने से पूर्ववर्ती प्रधानमंत्री डरते रहे। देश की करोड़ों मुस्लिम महिलाओं को तलाक के बाद मिलने वाला कानून हक दिलवाया है। जिन्हें पहले पति तीन बार तलाक तलाक बोल कर धक्के खाने के लिए छोड़ दिया जाता था।क़ग़िस ने मुसलमानों के वोट के डर से सुप्रीम कोर्ट के शाह बानों के फैसले को ही पलट दिया था, जिसमें कोर्ट ने गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था, इसके खिलाफ तत्कालीन क़ग़िस सरकार के प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कानून बना दिया था। विदेशी अखबारों को तकलीफ हो रही है कि मोदी राज में कैसे मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा है, जब भारत ने ऐसे आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया तब ख़ोझ उतारने के लिए क ह दिया कि मोदी पुरस्कार के लिए दौड़े चले आते हैं। जिला स्तर, वाई स्तर, राज्यस्तर या राष्ट्रीय स्तर पर सरकारी और निजी क्षेत्र में पुरस्कार के लिए कितने पापड़ बेलने पड़ते हैं, इन्हें पाने के लिए लोग अपनी पूरी उम्र खपा देते हैं। उसमें भी जबकदर प्रतिस्पर्धा होती है, तब कहीं जाकर किसी एक का चयन किया जाता है। ऐसे में देशों द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिये जाने वाले पुरस्कार का मापदंड कितने कठोर होगा, इसकी कल्पना ही की जा सकती है। इन पुरस्कारों में पुरस्कार देने वाली सरकार के साथ उन देशों के करोड़ों लोगों की भावनाएं भी जुड़ी होती हैं। चलो मान भी लिया जाए कि किसी एक देश ने भारत से कुछ फायदा लेने के लिए कोई पुरस्कार दे दिया होगा, पर मोदी को तो दर्जनों देशों के सर्वोच्च पुरस्कार मिले हैं, तो क्या इन सब देशों को मोदी फायदा पहुंचाएंगी, वो भी सिर्फ एक पुरस्कार के कारण, यदि ऐसा हुआ होता ना तो अब तक देश में तूफान आ जाता, क़ग़िस के बाद विपक्षी दलों ने आसमान सिर पर उठा लिया होता। गार्जियन का यह लेख सिर्फ हताशा ही प्रकट करता है, इससे पहले भी इसी तरह के विदेशी अखबारों में लेखों के जरिए भारत की छवि और विकास की तरक बढ़ते कदमों को रोकने का असफल प्रयास किया जाता रहा है।

कब और कैसे करें

भारत में चने की खेती मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान तथा बिहार में की जाती है। देश के कुल चना क्षेत्रफल का लगभग 90 प्रतिशत भाग तथा कुल उत्पादन का लगभग 92 प्रतिशत इन्हीं प्रदेशों से प्राप्त होता है। भारत में चने की खेती 7.54 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र में की जाती है जिससे 7.62 किं./हे. के औसत मान से 5.75 मिलियन टन उपज प्राप्त होती है। भारत में सबसे अधिक चने का क्षेत्रफल एवं उत्पादन वाला राज्य मध्यप्रदेश है तथा छत्तीसगढ़ प्रान्त के मैदानी जिलों में चने की खेती असिंचित अवस्था में की जाती है।

जलवायु :

चना एक शुष्क एवं ठण्डे जलवायु की फसल है जिसे रबी मौसम में उगाया जाता है। चने की खेती के लिए मध्यम वर्षा (60-90 से.मी. वार्षिक वर्षा) और सदी वाले क्षेत्र सर्वाधिक उपयुक्त है। फसल में फूल आने के बाद वर्षा होना हानिकारक होता है, क्योंकि वर्षा के कारण फूल परागकण एक दूसरे से चिपक जाते जिससे बीज नहीं बनते हैं। इसकी खेती के लिए 24-300 सेल्सियस तापमान उपयुक्त माना जाता है। फसल के दाना बनते समय 30 सेल्सियस से कम या 300 सेल्सियस से अधिक तापक्रम हानिकारक रहता है।

भूमि की तैयारी :

चने की खेती दोमट भूमियों से मटियार भूमियों में सफलता पूर्वक किया जा सकता है। चने की खेती हल्की से भारी भूमियों में की जाती है। किन्तु अधिक जल धारण एवं उचित जल निकास वाली भूमियाँ सर्वोत्तम रहती हैं। छत्तीसगढ़ की डोरसा, कन्हार भूमि इसकी खेती हेतु उपयुक्त है। मृदा का पी.एच. मान 6-7.5 उपयुक्त रहता है।

असिंचित अवस्था में मानसून शुरू होने से पूर्व गहरी जुताई करने से रबी के लिए भी नमी संरक्षण होता है। एक जुताई मिट्टी पलटने वाले हल तथा 2 जुताई देशी हल से की जाती है। फिर पाटा चलाकर खेत को समतल कर लिया जाता है। दोमक प्रभावित खेतों में क्लोरपायरीफास मिलाना चाहिए इससे कटुआ कीट पर भी नियंत्रण होता है।

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश के लिए अनुशंसित किस्म:

इंदिरा चना : यह किस्म फफूंदी उकठा रोग के प्रति मध्यम प्रतिरोधी एवं कटुआ कीट के प्रति सहनशील है। यह बरानी एवं अर्धसिंचित अवस्था के लिए उपयुक्त है। इस किस्म की उत्पत्ति जे.जी. 74 × आई. सी.सी.एल.-83105 से हुई है एवं यह 110-115 दिनों में पककर 15-20 किं. हे. उपज देती है।

वैभव : इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित यह किस्म सेपूर्ण छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश के लिए उपयुक्त है। यह किस्म 110-115 दिन में पक जाती है। दाना बड़ा, झुरीदार तथा कथई रंग का होता है। दानों में 18 प्रतिशत प्रोटीन होता है। उतरेा के लिए भी उपयुक्त होता है। यह अधिक तापमान, सूखा और उकठा निरोधक किस्म है जो सामान्यतौर पर 15 किं. तथा ढेर से बोने पर 13 किं. प्रति हेक्टेयर उपज देता है।

ग्वालियर : इसका दाना हल्का, भूरे रंग का होता है। यह जाति 125 दिन में तैयार हो जाती है। इसकी पैदावार लगभग 12 से 15 किं./हे. होती है। इसके दाने में 18 प्रतिशत प्रोटीन होता है।

उज्जैन : 24 इसका दाना पीला भूरा होता है। यह लगभग 123 दिन में तैयार हो जाती है। इसकी उपज लगभग 10 से 13 किं./हे. होती है। इसके दाने में प्रोटीन 19 प्रतिशत रहता है।

जे.जी. 315 : यह किस्म 125 दिन में पककर तैयार हो जाती है। औसत उपज 12 से 15 किं./हे. है इसके 100 दानों का वजन 15 ग्राम है एवं बीज का रंग बादामी तथा ढेर से बोने हेतु उपयुक्त किस्म है।

विजय : सर्वाधिक उपज देने वाली 90-105 दिन में तैयार होने वाली किस्म है। यह किस्म सिंचित व असिंचित क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है। अधिक शाखायें व मध्यम ऊँचाई वाले पौधे होते हैं। उपज क्षमता 24-45 किं./हे. है।

काबुली चना: छत्तीसगढ़ में इसकी खेती सिंचित दशा में ही की जा सकती है पर प्रति हेक्टेयर पौध सेंया का बराबर न होना प्रान्त में खेती को बढ़ावा नहीं दे रहा है।

एल 550 : यह 140 दिनों में पकने वाली किस्म है। इसकी उपज 10 से 13 किं./हे. है इसके 100 दानों का वजन 24 ग्राम है।

सी - 104 : यह किस्म 130-135 दिन में पककर तैयार हो जाती है। एवं औसतन 10 से 13 किं./हे. उपज देती है। इसके 100 दानों का वजन 25-30 ग्राम होता है।

बोवाई का समय असिंचित क्षेत्र में : सितंबर के आखिरी सप्ताह एवं अक्टूबर के तीसरी सप्ताह में करनी चाहिए। सिंचित क्षेत्र (पछेली) दिसंबर के तीसरे सप्ताह तक अवश्य सेपत्र कर लेना चाहिए।

बीज दर : समय पर बोवाई के लिए 75-80 कि.ग्रा./हे. देशी चना (मोटा दाना) 80 - 100 कि.ग्रा./हे.

काबुली चना (मोटा दाना) 100-120 कि.ग्रा./हे.

बीजोपचार : बीज को थायरस 2 ग्राम प्रति किलो बीज इसके अलावा उचित राइजोबियम कल्चर से उपचारित करना आवश्यक है।

सिंचाई :

आमतौर पर चने की खेती असिंचित अवस्था में की जाती है। चने की फसल के लिए कम जल की आवश्यकता होती है। चने में जल उपलब्धता के आधार पहली सिंचाई फूल आने के पूर्व अर्थात् बोने के 45 दिन बाद एवं दूसरी सिंचाई दाना भरने की अवस्था पर अर्थात् बोने के 75 दिन बाद करना चाहिए।

खाद एवं उर्वरक :

मूंग की 10 टन उपज देने वाली फसल भूमि से 40 कि.ग्रा. नत्रजन, 4-5 कि.ग्रा. स्फूर 10-12 कि.ग्रा. पोटाश ग्रहण कर लेती है। अतः

चने की खेती



अधिकतम उपज के लिए पोषक तत्वों की पूर्ति खाद एवं उर्वरकों के माध्यम से करना आवश्यक है। गोबर की खाद या केपोस्ट पाँच टन प्रति हेक्टेयर के हिसाब से खेत की तैयारी के समय देना चाहिए। मूंग की फसल से अच्छी उपज लेने के लिए 20 किलों नत्रजन, 40 किलो स्फूर, 20 किलो पोटाश व 20 किलो सल्फर प्रति हेक्टेयर का उपयोग करना चाहिए। उर्वरक की पूरी मात्रा बोवाई के समय कूड़ में बीज के नीचे 5-7 से.मी. की गहराई पर देना लाभप्रद रहता है। मिश्रित फसल के साथ मूंग की फसल को अलग से खाद देने की आवश्यकता नहीं रहती है।

कीट नियंत्रण:

कटुआ: चने की फसल को अत्यधिक नुकसान पहुँचाता है। इसकी रोकथाम के लिए 20 कि.ग्रा./हे. की दर से क्लोरापायरीफॉस भूमि में मिलाना चाहिए।

फली छेदक : इसका प्रकोप फली में दाना बनते समय अधिक होता है नियंत्रण नहीं करने पर उपज में 75 प्रतिशत कमी आ जाती है। इसकी रोकथाम के लिए मोनाक्रोटोफॉस 40 ई.सी 1 लीटर दर से 600-800 ली. पानी में घोलकर फली आते समय फसल पर छिड़काव करना चाहिए।

चने के उकठा रोग नियंत्रण : उकठा रोग निरोधक किस्मों का प्रयोग करना चाहिए। प्रभावित क्षेत्रों में फल चक्र अपनाना लाभकर होता है। प्रभावित पौधा को उखाड़कर नष्ट करना अथवा गड़दे में दबा देना चाहिये। बीज को कार्बेन्डाजिम 2.5 ग्राम या ट्राइकोडर्मा विरडी 4 ग्राम/किलो बीज की दर से उपचारित कर बोना चाहिए।

उपज एवं भण्डारण : चने की शुद्ध फसल को प्रति हेक्टेयर लगभग 20-25 किं. दाना एवं इतना ही भूसा प्राप्त होता है। काबूली चने की पैदावार देशी चने से तुलना में थोड़ा सा कम देती है। भण्डारण के समय 10-12 प्रतिशत नमी रहना चाहिए।



रसायानिक खेती का बेहतर विकल्प 'बेंवर खेती'

बैगा आदिवासी बिना जोत व उर्वरक के उगाते अनाज व औषधि यह जानकर आपको आश्चर्य होगा कि हमलोग प्रतिदिन 0.5 मिली ग्राम जहर खाते हैं। लेकिन यह सच है। इंटरनेशनल फाउंडेशन आफ आर्गेनिक

ज्यादा नुकसान हैं, वहीं बेंवर खेती के कई फायदे हैं। बिना हल चलाए खेती करने से पहाड़ अथवा ढलान की मिट्टी के कटाव को रोका जाता है। इसके खेत तैयार करने के लिए न तो पेड़ों को काटा जाता है और न ही जमीन जोती जाती है। इसकी सिंचाई व इसमें खाद डालने के लिए किसानों को सोचना भी नहीं पड़ता है। यह पूरी तरह बारिश पर निर्भर है। इसलिए इस तरह की खेती पहाड़ी इलाकों में ज्यादा सुरक्षित है, जहां बारिश समय पर होती है। बेंवर खेती की मिश्रित प्रणाली के कारण फसल में कीड़ा

एग्रीकल्चर मूवमेंट नामक अंतर्राष्ट्रीय संस्था ने आलू के 100 नमूनों में से 12 और टमाटर के 100 नमूनों में से 48 में जहर पाया था। इसी तरह उत्तरप्रदेश के वैज्ञानिकों ने एक शोध में पाया कि हमारे शरीर में साल भर में करीब 174 मिली ग्राम जहर पहुंचता है और यह जहर अगर शरीर में एक साथ पहुंच जाए तो व्यक्ति की मृत्यु सुनिश्चित है। जानते हैं शरीर के अंदर यह जहर दूध, फल, सब्जी और अनाज खाने से धीमे गति से पहुंचता है और यह सब आज के रसायनिक खेती में उपयोग होने वाले उर्वरक के कारण हो रहा है।

देखा जाए तो हम लोग ज्यों-ज्यों विकास की ओर अग्रसर हो रहे हैं, हम अपनी संस्कृति और परंपराओं को पीछे छोड़ते जा रहे हैं। हमने वर्ष 1966-67 में हरित क्रांति का आगाज तो किया, लेकिन अंधाधुंध रसायनों और कीटनाशकों का उपयोग करके। जिसका परिणाम आज फलों व सब्जियों में जहर के रूप में सामने आ रहा है। मौजूदा समय में जरूरत है तो इस रसायनिक खेती के बेहतर विकल्प तलाशने की और वह जैविक खेती के रूप में सामने आ रहा है। अर्थात् फिर से प्राकृतिक तरीके से खाद तैयार कर खेती करना। लेकिन हम आदिवासियों की 'बेंवर खेती' को क्यों भूल रहे हैं, जिसमें खेती करने के लिए न तो किसी प्रकार की खाद व दवाई की आवश्यकता पड़ती है और न ही सिंचाई करने के लिए पानी और हल से जोत की जरूरत। उसके बावजूद इसमें बेपर पैदावार होती है। विशेषकर यह पहाड़ी इलाकों के लिए बेहतर विकल्प बनकर उभर सकता है।

रसायनिक खेती के जहां

लगने का खतरा भी नहीं रहता है। इसमें बाढ़ व अकाल झेलने की क्षमता भी होती है और यह कम लागत व अधिक उत्पादन की तर्ज पर काम करता है। फिलहाल बैगा आदिवासी इसमें डोंगर, कूटकी, शांवा, सलहार, मंडिया, खास, झुंझरू, बिदरा, डेंगरा, ज्वार, कांग, उड़द, ककड़ी, मक्का, भेजरा सहित सौ से ज्यादा अनाज उगाते हैं। इसके अलावा औषधि की भी खेती करते हैं।

बेंवर खेती के लिए जमीन तैयार करने में भी मशकत नहीं करनी पड़ती। मौजूदा खेती की तरह इसमें किसानों को न तो बिजली, पानी के लिए रोना पड़ता है और न ही उर्वरक लेने के लिए मारामारी करनी पड़ती है। इसमें सबसे पहले खेती की जमीन पर छोटे-छोटे पेड़ों व झाड़ियों को काटकर बिछाया जाता है, फिर झाड़ियां सूखने के बाद उसमें आग लगा दी जाती है। आग जलने के बाद राख की वहां एक परत बन जाती है, जिसमें बरसात शुरू होने से एक सप्ताह पहले विभिन्न किस्मों के बीज मिलाकर उसे खेत में छिड़क दिया जाता है। बारिश के बाद उसमें फसल लहलहाने लगता है।

आज भी इस तरह की खेती आदिवासी इलाकों में होती है। यह जैविक खेती का ही एक रूप है। डिंडौरी जिले के समनापुर विकासखंड के कई गांवों में बैगा आदिवासी इस तरह की खेती करके अनाज का उत्पादन करते हैं और अपनी आजीविका चलाते हैं। 'बेंवर खेती' पूरी तरह से जैविक, पारिस्थितिक, प्रकृति के अनुकूल और मिश्रित खेती है। इसकी खासियत यह है कि इस खेती में एक साथ 16 प्रकार के बीजों का इस्तेमाल किया जाता है, उनमें कुछ बीज अधिक पानी में अच्छी फसल देता है, तो कुछ बीज कम पानी होने या सूखा पड़ने पर भी अच्छा उत्पादन करता है। इससे खेत में हमेशा कोई-न-कोई फसल लहलहाते रहता है। इससे किसानों के परिवार को भूखे मरने की नौबत भी नहीं आती और न ही किसान को आत्महत्या करने की स्थिति उत्पन्न होती है। फिलहाल इस तरह की खेती पर रोक लगी हुई है। सन् 1864 में अंग्रेजों के वन कानून ने इस पर रोक लगा दी है। उसके बाद भी डिंडौरी जिले के बैगाचक और बैगाचक से लगे छत्तीसगढ़ के कवर्था जिले में कुछ बैगा जनजाति 'बेंवर खेती' को अपनाए हुए है। सरकार को चाहिए की इसे बढ़ावा दे और इससे शहरी किसानों को भी जोड़े।

पोर्टेबल वर्षा मापक यंत्र के सहारे से करें खेती

मौसम में परिवर्तन हो रहा है, इस बदलते मौसम में वर्षापात जिला स्तर पर न होकर यह प्रखंडवार और पंचायतवार स्तर पर हो रहा है, ऐसी परिस्थिति में किसान पोर्टेबल वर्षा मापक यंत्र द्वारा अपने पंचायत स्तर पर वर्षा माप सकते हैं और उसी के अनुरूप अपनी खेती की योजना बना सकते हैं।

कृषि विज्ञान केंद्र के कार्यक्रम समन्वयक डॉ गोपाल राम शर्मा ने कहा कि पोर्टेबल वर्षा मापक उपकरण प्लास्टिक का बना होता है जो प्लास्टिक के तीन डब्बों से बना होता है और साथ में एक नपना गिलास होता है, जिसमें वर्षा जल डाल कर रीडिंग पढ़ते हैं, इसे एक स्थान से दूसरे स्थान पर आसानी से ले जाया जा सकता है, इसका वजन बहुत ही हल्का होता है।

इसकी कीमत भी लगभग दो हजार के आसपास होती है और यह शहर में विज्ञान के उपकरण की दुकान या मौसम विभाग से जानकारी प्राप्त कर प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस उपकरण से यह मालूम हो जाता है कि कितनी बारिश हुई है।

खेत में नमी, पानी की स्थिति देखकर किसान अपनी फसल की योजना बना सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस उपकरण को घर के किसी ऊंचे स्थान पर या छत पर वर्षा शुरू होने से पहले रख देते हैं। जहां पर आस-पड़ोस पेड़ या दूसरा ऊंचा मकान न हो।

खुले स्थान पर रखने से वर्षा का पानी जमा हो जाता है। उस पानी को नपना गिलास में रख कर रीडिंग किया जा सकता है।

